अगस्त 2023

चंद्रयान 3

चाँद पर भारत

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्बोधन

सूची क्रम

01 प्रधानमंत्री का सन्देश — 1

02 मुख्य आलेख

2.1 **चंद्रयान-3 :** भारत का सफल चंद्र मिशन — 16

2.2 **भारत की अध्यक्षता में G20 :** समावेशी, महत्त्वाकांक्षी, निणयिक एवं कार्रवाई-उन्मुख — 30

03 संक्षेप में

3.1 **वैश्विक मंच पर भारत की खेल प्रतिभा** — 46

3.2 **FISU वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2023** — 48

3.3 **भाषाई विविधता : भारतीय संस्कृति की जड़ें** — 52

3.4 **अतुल्य भारत : एक अद्वितीय टेपेस्ट्री** — 58

3.5 **प्रगति और प्रकृति का संतुलन : भारत में सतत् डेयरी प्रथाएँ** — 62

04 साक्षात्कार

4.1 दिल माँगे मोर - **एस. सोमनाथ** — 24

4.2 चंद्रमा के स्पर्श के साथ मिशन पूरा – **कल्पना कालाहस्ती** — 26

4.3 G20 से मानवता का समग्र लाभ – **आर. दिनेश** — 38

4.4 भारत की G20 अध्यक्षता : एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण – **जे.एस. मुकुल** — 42

4.5 G20 में जम्मू-कश्मीर आवाम का पूर्ण योगदान – **मनोज सिन्हा** — 44

4.6 G20 का लोकतंत्रीकरण : भारत की विशिष्टता – **मंजीव सिंह पुरी** — 45

4.7 संस्कृत के माध्यम से सांस्कृतिक संरक्षण और ज्ञान सम्वर्धन – **चमू कृष्ण शास्त्री** — 56

05 प्रतिक्रियाएँ — 67

प्रधानमंत्री का सन्देश

मेरे प्यारे परिवारजनो, नमस्कार।

'मन की बात' के अगस्त एपिसोड में आपका एक बार फिर बहुत-बहुत स्वागत है। मुझे याद नहीं पड़ता कि कभी ऐसा हुआ हो, कि सावन के महीने में, दो-दो बार 'मन की बात' का कार्यक्रम हुआ, लेकिन इस बार ऐसा ही हो रहा है। सावन यानी महाशिव का महीना, उत्सव और उल्लास का महीना। चंद्रयान की सफलता ने उत्सव के इस माहौल को कई गुना बढ़ा दिया है। चंद्रयान को चन्द्रमा पर पहुँचे, तीन दिन से ज़्यादा का समय हो रहा है। ये सफलता इतनी बड़ी है कि इसकी जितनी चर्चा की जाए, वो कम है। जब आज आपसे बात कर रहा हूँ तो एक पुरानी मेरी कविता की कुछ पंक्तियाँ याद आ रही हैं...

आसमान में सिर उठाकर
घने बादलों को चीरकर
रोशनी का संकल्प ले
अभी तो सूरज उगा है।
दृढ़ निश्चय के साथ चलकर
हर मुश्किल को पार कर
घोर अँधेरे को मिटाने
अभी तो सूरज उगा है।
आसमान में सिर उठाकर
घने बादलों को चीरकर
अभी तो सूरज उगा है।

मेरे परिवारजनो, 23 अगस्त को भारत ने और भारत के चंद्रयान ने ये साबित कर दिया है कि संकल्प के कुछ सूरज चाँद पर भी उगते हैं। मिशन चंद्रयान नए भारत की उस स्पिरिट का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना जानता भी है।

साथियो, इस मिशन का एक पक्ष ऐसा भी रहा, जिसकी आज मैं आप सब के साथ विशेष तौर पर चर्चा करना चाहता हूँ। आपको याद होगा इस बार मैंने लाल किले से कहा है कि हमें वीमेन लेड डेवलपमेंट को राष्ट्रीय चरित्र के रूप में सशक्त करना है। जहाँ महिला शक्ति का सामर्थ्य जुड़ जाता है, वहाँ असम्भव को भी सम्भव बनाया जा सकता है।

भारत का मिशन चंद्रयान, नारीशक्ति का भी जीवंत उदाहरण है। इस पूरे मिशन में अनेकों वीमेन साइंटिस्ट्स और इंजिनियर्स सीधे तौर पर जुड़ी रही हैं। इन्होंने अलग-अलग सिस्टम्स के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ऐसी कई अहम ज़िम्मेदारियाँ सम्भाली हैं। भारत की बेटियाँ अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियाँ जब इतनी आकांक्षी हो जाएँ, तो उसे, उस देश को विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है!

साथियो, हमने इतनी ऊँची उड़ान इसलिए पूरी की है, क्योंकि आज हमारे सपने भी बड़े हैं और हमारे प्रयास भी बड़े हैं। चंद्रयान-3 की सफलता में हमारे वैज्ञानिकों के साथ ही दूसरे सेक्टर्स की भी अहम भूमिका रही है। तमाम पार्ट्स और तकनीकी ज़रूरतों को पूरा करने में कितने ही देशवासियों ने योगदान दिया है। जब सबका प्रयास लगा, तो सफलता भी मिली। यही चंद्रयान-3 की सबसे बड़ी सफलता है। मैं कामना करता हूँ कि आगे भी हमारा स्पेस सेक्टर सबका प्रयास से ऐसे ही अनगिनत सफलताएँ हासिल करेगा।

अब तक का सबसे बड़ा G20 शिखर सम्मेलन

मेरे परिवारजनो, सितम्बर का महीना, भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनने जा रहा है। अगले महीने होने जा रही G20 लीडर्स समिट के लिए भारत पूरी तरह से तैयार है। इस आयोजन में भाग लेने के लिए 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और अनेक ग्लोबल आर्गेनाइज़ेशन्स राजधानी दिल्ली आ रहे हैं। **G20 समिट के इतिहास में ये अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी। अपनी प्रेसीडेंसी के दौरान भारत ने G20 को और ज़्यादा इन्क्लूसिव फोरम बनाया है। भारत के निमंत्रण पर ही अफ्रीकन यूनियन भी G20 से जुड़ी और अफ्रीका के लोगों की आवाज़ दुनिया के इस अहम प्लेटफार्म तक पहुँची।** साथियो, पिछले साल बाली में भारत को G20 की अध्यक्षता मिलने के बाद से अब तक इतना कुछ हुआ है, जो हमें गर्व से भर देता है। दिल्ली में बड़े-बड़े कार्यक्रमों की परम्परा से हटकर, हम इसे देश के अलग-अलग शहरों में ले गए। **देश के 60 शहरों में इससे जुड़ी करीब-करीब 200 बैठकों का आयोजन किया गया। G20 डेलिगेट्स जहाँ भी गए, वहाँ लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। ये डेलिगेट्स हमारे देश की डाइवर्सिटी देखकर, हमारी वाइब्रेंट डेमोक्रेसी देखकर बहुत ही प्रभावित हुए। उन्हें ये भी एहसास हुआ कि भारत में कितनी सारी सम्भावनाएँ हैं।**

साथियो, G20 की हमारी प्रेसीडेंसी, पीपल प्रेसीडेंसी है, जिसमें जन भागीदारी की भावना सबसे आगे है। G20 के जो ग्यारह इंगेजमेंट ग्रुप्स थे, उनमें एकेडेमिया, सिविल सोसाइटी, युवा, महिलाएँ, हमारे सांसद, इंटरप्रेन्योर और अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन से जुड़े लोगों ने अहम भूमिका निभाई। इसे लेकर देशभर में जो आयोजन हो रहे हैं, उनसे किसी न किसी रूप से डेढ़ करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। जन भागीदारी की हमारी इस कोशिश में एक ही नहीं, बल्कि दो-दो विश्व रिकॉर्ड भी बन गए हैं। वाराणसी में हुई G20 क्विज़ में 800 स्कूलों के सवा

लाख स्टूडेंट्स की भागीदारी एक नया विश्व रिकॉर्ड बन गया, वहीं लम्बानी कारीगरों ने भी कमाल कर दिया। 450 कारीगरों ने करीब 1800 यूनिक पैचेज़ का आश्चर्यजनक कलेक्शन बनाकर, अपने हुनर और क्राफ्टमैनशिप का परिचय दिया है। G20 में आए हर प्रतिनिधि हमारे देश की आर्टिस्टिक डाइवर्सिटी को देखकर भी बहुत हैरान हुए। ऐसा ही एक शानदार कार्यक्रम सूरत में आयोजित किया गया। वहाँ हुए 'साड़ी वॉकोथॉन' में 15 राज्यों की 15,000 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम से सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को तो बढ़ावा मिला ही, 'वोकल फॉर लोकल' को भी बल मिला और लोकल के लिए ग्लोबल होने का रास्ता भी बना। श्रीनगर में G20 की बैठक के बाद कश्मीर के पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। **मैं, सभी देशवासियो को कहूँगा कि आइए मिलकर G20 सम्मलेन को सफल बनाएँ, देश का मान बढ़ाएँ।**

मेरे परिवारजनो, 'मन की बात' के एपिसोड में हम अपनी युवा पीढ़ी के सामर्थ्य की चर्चा अक्सर करते रहते हैं। आज, खेल-कूद एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ हमारे युवा निरंतर नई सफलताएँ हासिल कर रहे हैं। मैं आज 'मन की बात' में एक ऐसे टूर्नामेंट की बात करूँगा, जहाँ हाल ही में हमारे खिलाड़ियों ने देश का परचम लहराया है। **कुछ ही दिनों पहले चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए थे। इन खेलों में इस बार भारत की बेस्ट एवर परफॉरमेंस रही है। हमारे खिलाड़ियों ने कुल 26 पदक जीते, जिनमें से 11 गोल्ड मेडल थे। आपको ये जानकर अच्छा लगेगा कि 1959 से लेकर अब तक जितने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए हैं, उनमें जीते सभी मेडल्स को जोड़ दें तो भी ये संख्या 18 तक ही पहुँचती है।** इतने दशकों में सिर्फ 18, जबकि इस बार हमारे खिलाड़ियों ने 26 मेडल जीत लिए। इसलिए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में मेडल जीतने वाले कुछ युवा खिलाड़ी, विद्यार्थी इस समय फ़ोन लाइन पर मेरे साथ जुड़े हुए हैं। मैं सबसे पहले इनके बारे में आपको बता दूँ। यूपी की रहने वाली प्रगति ने आर्चरी में मेडल जीता है। असम के रहने वाले अम्लान ने एथलेटिक्स में मेडल जीता है। यूपी की रहने वाली प्रियंका ने रेस वॉक में मेडल जीता है। महाराष्ट्र की रहने वाली अभिदन्या ने शूटिंग में मेडल जीता है।

मोदी जी : मेरे प्यारे युवा खिलाड़ियो नमस्कार।

युवा खिलाड़ी : नमस्ते सर।

मोदी जी : मुझे आप से बात करके बहुत अच्छा लग रहा है। मैं सबसे पहले भारत की यूनिवर्सिटीज़ में से सेलेक्ट की गई टीम, आप लोगों ने जो भारत का नाम रोशन किया है, इसलिए मैं आप सबको बधाई देता हूँ। आपने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अपने प्रदर्शन से हर देशवासी का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। तो सबसे पहले तो मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

प्रगति, मैं इस बातचीत की शुरुआत आपसे कर रहा हूँ। आप सबसे पहले मुझे बताइए कि दो मेडल जीतने के बाद आप जब यहाँ से गई, तब ये सोचा था क्या? और इतना बड़ा विजय प्राप्त किया तो महसूस क्या हो रहा है ?

प्रगति : सर बहुत प्राउड फील कर रही थी मैं, मुझे इतना अच्छा लग रहा था कि मैं अपने देश का झंडा इतना ऊँचा लहरा के आई हूँ कि एक बार तो ठीक है कि गोल्ड फाइट में पहुँचे थे, उसको लूज़ किया था तो रिग्रेट हो रहा था, पर दूसरी बार ये ही था दिमाग में कि अब कुछ हो जाए, ये इसको नीचे नहीं जाने देना है। इसको हर हाल में सबसे ऊँचा लहरा के ही आना है। जब हम फाइट को लास्ट में जीते थे तो वहीं पोडियम पे हम लोगों ने बहुत अच्छे से सेलिब्रेट किया था। वो मोमेंट बहुत अच्छा था। इतना प्राउड फील हो रहा था कि मतलब हिसाब नहीं था उसका।

मोदी जी : प्रगति आपको तो फिज़िकली बहुत बड़े प्रॉब्लम आए थे। उसमें से आप उभर करके आईं। ये अपने आप में देश के नौजवानों के लिए बड़ा इन्सपायरिंग है। क्या हुआ था आपको?

प्रगति : सर 5 मई, 2020 में मुझे ब्रेन हेमरेज हुआ था। मैं वेंटीलेटर पे थी। कुछ कन्फर्मेशन नहीं थी कि मैं बचूँगी कि नहीं और बची तो कैसे बचूँगी! बट इतना था कि हाँ, मुझे अन्दर से हिम्मत थी कि मैंने जाना है वापिस ग्राउंड पर खड़े होना है, एरो चलाने। मेरे को, मेरी ज़िन्दगी बचाई है तो सबसे बड़ा हाथ भगवान का, उसके बाद डॉक्टर का, फिर आर्चरी का।

गेम चेंजर्स

भारतीय खेल प्रतिभा का नया दौर

हमारे साथ अम्लान भी है। अम्लान, ज़रा बताइए आपकी एथलेटिक्स के प्रति इतनी ज़्यादा रुचि कैसे डेवेलप की !

अम्लान : जी नमस्कार सर।

मोदी जी : नमस्कार ! नमस्कार।

अम्लान : सर एथलेटिक्स के प्रति तो पहले उतनी रुचि नहीं थी। पहले हम फुटबॉल में थे ज़्यादा। बट जैसे-जैसे मेरे भाई का एक दोस्त है, तो उन्होंने मेरे को बोला कि अम्लान तुम्हें एथलेटिक्स में, कम्पटीशन में जाना चाहिए, तो मैंने सोचा चलो ठीक है तो पहला जब मैंने स्टेट मीट खेला तो मैं हार गया उसमें, तो हार मुझे अच्छी नहीं लगी। तो ऐसे करते-करते मैं एथलेटिक्स में आ गया। फिर ऐसे ही धीरे-धीरे अभी मज़ा आने लग रहा है, तो वैसे ही मेरा रुचि बढ़ गया।

मोदी जी : अम्लान ज़रा बताइए ज्यादातर प्रैक्टिस कहाँ की !

अम्लान : ज़्यादातर मैंने हैदराबाद में प्रैक्टिस की है, साई रेड्डी सर के अंडर। फिर उसके बाद मैं भुवनेश्वर में शिफ्ट हो गया तो उधर से मेरा प्रोफ़ेशनली स्टार्ट हुआ सर।

अच्छा हमारे साथ प्रियंका भी है। प्रियंका, आप 20 किलोमीटर रेस वॉक टीम का हिस्सा थीं। सारा देश आज आपको सुन रहा है और वे इस सपोर्ट के बारे में जानना चाहते हैं। आप ये बताइए कि इसके लिए किस तरह की स्किल्स की ज़रूरत होती है और आपकी करियर कहाँ-कहाँ से कहाँ पहुँची ?

प्रियंका : मेरे जैसे इवेंट में मतलब काफ़ी टफ है, क्योंकि हमारे पाँच जज खड़े होते हैं। अगर हम भाग भी लिए तो भी वो हमें निकाल देंगे या फिर थोड़ा रोड से अगर हम उठ जाते हैं, जम्प आ जाती है तो भी वो हमें निकाल देते हैं, या फिर हमने नी बैण्ड किया तो भी हमें निकाल देते हैं और मेरे को तो वार्निंग भी दो आ गई थीं। उसके बाद मैंने अपनी स्पीड पे इतना कंट्रोल किया कि कहीं न कहीं मुझे टीम मेडल तो एटलीस्ट यहाँ से जीतना ही है, क्योंकि हम देश के लिए यहाँ पे आए हैं और हमें खाली हाथ यहाँ से नहीं जाना है।

मोदी जी : जी, और पिताजी, भाई वगैरा सब ठीक हैं?

प्रियंका : हाँ जी सर, सब बढ़िया, मैं तो सबको बताती हूँ कि आप, मतलब इतना मोटीवेट करते हैं हम लोग को, सच में सर, बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि वर्ल्ड यूनिवर्सिटी जैसे खेल को, इंडिया में इतना पूछा भी नहीं जाता है, लेकिन अब इतना सपोर्ट मिल रहा है ना इस गेम में भी, मतलब हम ट्वीट भी देख रहे हैं, कि हर कोई ट्वीट कर रहा है कि हमने इतने मेडल जीते हैं, तो

काफ़ी अच्छा लग रहा है कि ओलम्पिक्स की तरह इसको भी इतना बढ़ावा मिल रहा है।

मोदी जी : चलिए प्रियंका, मेरी तरफ से बधाई है। आपने बड़ा नाम रोशन किया है, आइए हम अभिदन्या से बात करते हैं।

अभिदन्या : नमस्ते सर।

मोदी जी : बताइए अपने विषय में।

अभिदन्या : सर मैं प्रॉपर कोल्हापुर, महाराष्ट्र से हूँ, मैं शूटिंग में 25m स्पोर्ट्स पिस्तौल और 10m एयर पिस्तौल, दोनों इवेंट करती हूँ। मेरे माता-पिता दोनों हाई स्कूल टीचर हैं, तो मैंने 2015 में शूटिंग स्टार्ट किया। जब मैंने शूटिंग स्टार्ट किया, तब उधर कोल्हापुर में उतनी फैसीलिटीज़ नहीं मिलती थीं। बस से ट्रेवल करके वडगाँव से कोल्हापुर जाने के लिए डेढ़ घंटा लगता है, तो वापस आने के लिए डेढ़ घंटा और चार घंटे की ट्रेनिंग, तो ऐसे, 6-7 घंटे तो आने-जाने में और ट्रेनिंग में जाते थे, तो मेरी स्कूल भी मिस होती थी, तो फिर मम्मी-पापा ने बोला कि बेटा एक काम करो, हम आपको सैटरडे-सन्डे को ले के जाएँगे शूटिंग रेंज के लिए और बाकी टाइम्स आप दूसरे गेम्स करो, तो मैं बहुत सारे गेम्स करती थी बचपन में, क्योंकि मेरे मम्मी-पापा दोनों को खेल में काफ़ी रुचि थी, लेकिन वो कुछ कर नहीं पाए, फाइनेंशियल सपोर्ट उतना नहीं था और उतनी जानकारी भी नहीं थी, इसलिए मेरी माताजी का बड़ा सपना था कि देश को रिप्रज़ेंट करना चाहिए और फिर देश के लिए मेडल भी जीतना चाहिए, तो मैं उनकी ड्रीम कम्पलीट करने के लिए बचपन से काफ़ी खेल-कूद में रुचि लेती थी और फिर मैंने टायक्वोंडो भी किया है, उसमें भी ब्लैक बेल्ट हूँ और बॉक्सिंग, जूडो और फेंसिंग और डिस्कस थ्रो जैसे बहुत सारे गेम्स करके फिर मैं 2015 में शूटिंग में आ गई। फिर 2-3 साल मैंने बहुत स्ट्रगल किया और फर्स्ट टाइम मेरा यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप के लिए मलेशिया सलेक्शन हो गया और उसमें मेरा ब्रॉन्ज़ मेडल आया, तो उधर से एक्चुअली मुझे पुश मिला। फिर मेरे स्कूल ने मेरे लिए एक शूटिंग रेंज बनवाई, फिर मैं उधर ट्रेनिंग करती थी और फिर उन्होंने मुझे पुणे भेज दिया ट्रेनिंग करने के लिए, तो यहाँ पर गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन है गुण फॉर ग्लोरी तो मैं उसी के अंडर ट्रेनिंग कर रही हूँ, अभी गगन सर ने मुझे काफ़ी सपोर्ट किया और मेरे गेम के लिए बढ़ावा दिया।

मोदी जी : अच्छा आप चारों मुझसे कुछ कहना चाहते हो तो मैं सुनना चाहूँगा।

प्रगति हो, अम्लान हो, प्रियंका हो, अभिदन्या हो। आप सब मेरे साथ जुड़े हुए हैं तो कुछ कहना चाहते हैं तो मैं ज़रूर सुनूँगा।

अम्लान : सर, मेरा एक सवाल है सर।

मोदी जी : जी।

अम्लान : आपको सबसे अच्छा स्पोर्ट्स कौन-सा लगता है सर?

मोदी जी : खेल की दुनिया में भारत को बहुत खिलना चाहिए और इसलिए मैं इन चीज़ों को बहुत बढ़ावा दे रहा हूँ, लेकिन हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, ये हमारी धरती से जुड़े हुए खेल हैं, इसमें तो हमें कभी पीछे नहीं रहना चाहिए और मैं देख रहा हूँ कि आर्चरी में हमारे लोग अच्छा कर रहे हैं, शूटिंग में अच्छा कर रहे हैं और दूसरा मैं देख रहा हूँ कि हमारे यूथ में और इवन परिवारों में भी खेल के प्रति पहले जो भाव था, वो नहीं है। पहले तो बच्चा खेलने जाता था तो रोकते थे और अब बहुत बड़ा वक्त बदला है और आप लोगों ने जो सक्सेस लेते आ रहे हैं न, वो सभी परिवारों को मोटीवेट करती है। हर खेल में, जहाँ भी हमारे बच्चे जा रहे हैं, कुछ न कुछ देश के लिए करके आते हैं और ये ख़बरें आज देश में प्रमुखता से दिखाई भी जाती हैं, बताई जाती हैं और स्कूल, कॉलेज में चर्चा में भी रहती हैं। चलिए! मुझे बहुत अच्छा लगा, मेरी तरफ से आप सबको बहुत-बहुत बधाई। बहुत शुभकामनाएँ।

युवा खिलाड़ी : बहुत-बहुत धन्यवाद ! थैंक यू सर ! धन्यवाद।

मोदी जी : धन्यवाद जी ! नमस्कार।

मेरे परिवारजनो, इस बार 15 अगस्त के दौरान देश ने 'सबका प्रयास' का सामर्थ्य देखा। सभी देशवासियों के

प्रयास ने 'हर घर तिरंगा अभियान' को वास्तव में 'हर मन तिरंगा अभियान' बना दिया। इस अभियान के दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। देशवासियों ने करोड़ों की संख्या में तिरंगे खरीदे। डेढ़ लाख पोस्ट ऑफिसिज़ के ज़रिए करीब डेढ़ करोड़ तिरंगे बेचे गए। इससे हमारे कामगारों की, बुनकरों की और खासकर महिलाओं की सैकड़ों करोड़ रुपए की आय भी हुई है। तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने में भी इस बार देशवासियों ने नया रिकॉर्ड बना दिया। पिछले साल 15 अगस्त तक करीब 5 करोड़ देशवासियों ने तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट की थी। इस साल ये संख्या 10 करोड़ को भी पार कर गई है।

साथियो, इस समय देश में 'मेरी माटी, मेरा देश' देशभक्ति की भावना को उजागर करने वाला अभियान जोरों पर है। सितम्बर के महीने में देश के गाँव-गाँव में, हर घर से मिट्टी जमा करने का अभियान चलेगा। देश की पवित्र मिट्टी हज़ारों अमृत कलश में जमा की जाएगी।

अक्तूबर के अंत में हज़ारों अमृत कलश यात्रा के साथ देश की राजधानी दिल्ली पहुँचेंगे। इस मिट्टी से ही दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण होगा। मुझे विश्वास है, हर देशवासी का प्रयास, इस अभियान को भी सफल बनाएगा।

मेरे परिवारजनो, इस बार मुझे कई पत्र संस्कृत भाषा में मिले हैं। इसकी वजह यह है कि सावन मास की पूर्णिमा, इस तिथि को विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाता है।

सर्वेभ्य: विश्व-संस्कृत- दिवसस्य हार्दय: शुभकामना:

आप सभी को विश्व संस्कृत दिवस की बहुत-बहुत बधाई। हम सब जानते हैं कि संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। इसे कई आधुनिक भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। संस्कृत अपनी प्राचीनता के साथ-साथ अपनी वैज्ञानिकता और व्याकरण के लिए भी जानी जाती है। भारत का कितना ही प्राचीन ज्ञान हज़ारों वर्षों तक संस्कृत

भाषा में ही संरक्षित किया गया है। योग, आयुर्वेद और फिलोसफी जैसे विषयों पर रिसर्च करने वाले लोग अब ज़्यादा से ज़्यादा संस्कृत सीख रहे हैं। कई संस्थान भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं जैसे कि संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन, संस्कृत फॉर योग, संस्कृत फॉर आयुर्वेद और संस्कृत फॉर बुद्धिस्म जैसे कई कोर्सेज करवाता है। 'संस्कृत भारती' लोगों को संस्कृत सिखाने का अभियान चलाती है। इसमें आप 10 दिन के 'संस्कृत सम्भाषण शिविर' में भाग ले सकते हैं। **मुझे ख़ुशी है कि आज लोगों में संस्कृत को लेकर जागरूकता और गर्व का भाव बढ़ा है। इसके पीछे बीते वर्षों में देश का विशेष योगदान भी है, जैसे तीन संस्कृत डीम्ड यूनिवर्सिटीज़ को 2020 में सेंट्रल यूनिवर्सिटीज़ बनाया गया। अलग-अलग शहरों में संस्कृत विश्वविद्यालयों के कई कॉलेज और संस्थान भी चल रहे हैं। IITs और IIMs जैसे संस्थानों में संस्कृत केंद्र काफ़ी पोपुलर हो रहे हैं।**

साथियो, अक्सर आपने एक बात

ज़रूर अनुभव की होगी, जड़ों से जुड़ने की, हमारी संस्कृति से जुड़ने की, हमारी परम्परा का बहुत बड़ा सशक्त माध्यम होती है– हमारी मातृभाषा। जब हम अपनी मातृभाषा से जुड़ते हैं, तो हम सहज रूप से अपनी संस्कृति से जुड़ जाते हैं। अपने संस्कारों से जुड़ जाते हैं, अपनी परम्परा से जुड़ जाते हैं, अपने चिर पुरातन भव्य वैभव से जुड़ जाते हैं। ऐसे ही भारत की एक और मातृभाषा है, गौरवशाली तेलुगु भाषा। **29 अगस्त तेलुगु दिवस मनाया जाएगा।**

अन्दरिकी तेलुगु भाषा दिनोत्सव शुभाकांक्षलु।

आप सभी को तेलुगु दिवस की बहुत-बहुत बधाई। तेलुगु भाषा के साहित्य और विरासत में भारतीय संस्कृति के कई अनमोल रत्न छिपे हैं। तेलुगु की इस विरासत का लाभ पूरे देश को मिले, इसके लिए कई प्रयास भी किए जा रहे हैं।

मेरे परिवारजनो, 'मन की बात' के कई एपिसोड्स में हमने टूरिज्म पर बात की है। चीज़ों या स्थानों को साक्षात् ख़ुद देखना, समझना और कुछ पल उनको जीना, एक अलग ही अनुभव देता है।

कोई समंदर का कितना ही वर्णन कर दे, लेकिन हम समंदर को देखे बिना उसकी विशालता महसूस नहीं कर सकते। कोई हिमालय का कितना ही बखान कर दे, लेकिन हम हिमालय को देखे बिना उसकी सुन्दरता का आकलन नहीं कर सकते। इसलिए ही **मैं अक्सर आप सभी से ये आग्रह करता हूँ कि जब मौका मिले, हमें अपने देश की ब्यूटी अपने देश की डाइवर्सिटी, उसे ज़रूर देखने जाना चाहिए। अक्सर हम एक और बात भी देखते हैं, हम भले ही दुनिया का कोना-कोना छान लें, लेकिन अपने ही शहर या राज्य की कई बेहतरीन जगहों और चीज़ों से अनजान होते हैं।**

कई बार ऐसा होता है कि लोग अपने शहर के ही ऐतिहासिक स्थलों के बारे में ज़्यादा नहीं जानते। ऐसा ही कुछ धनपाल जी के साथ हुआ। धनपाल जी, बेंगलुरु के ट्रांसपोर्ट ऑफिस में ड्राइवर का काम करते थे। करीब 17 साल पहले उन्हें साइटसीइंग विंग में ज़िम्मेदारी मिली थी। इसे अब लोग बेंगलुरु दर्शिनी के नाम से जानते हैं। धनपाल जी पर्यटकों को शहर के अलग-अलग पर्यटन स्थलों पर ले जाया करते थे। ऐसी ही एक ट्रिप पर किसी टूरिस्ट ने उनसे पूछ लिया, बेंगलुरु में टैंक

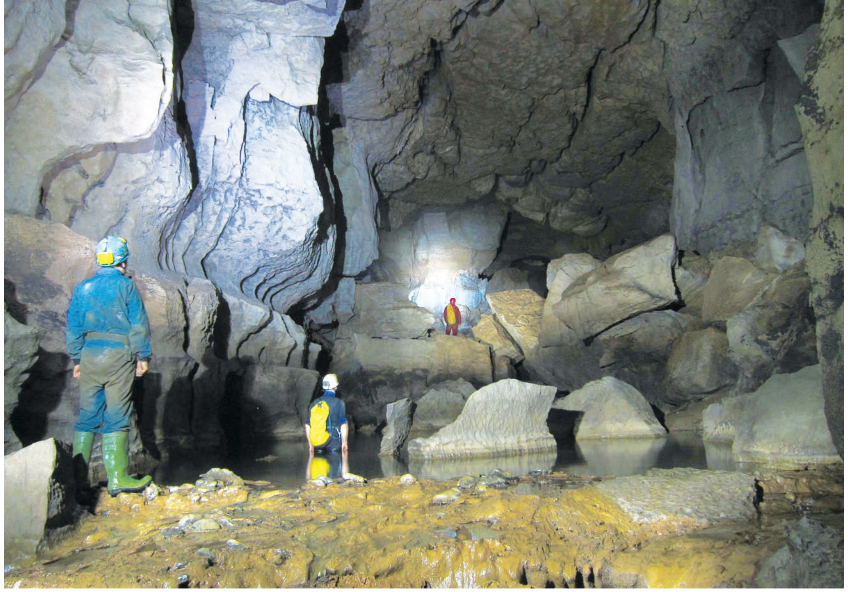

को सैंकी टैंक क्यों कहा जाता है। उन्हें बहुत ही ख़राब लगा कि उन्हें इसका जवाब पता नहीं था। ऐसे में उन्होंने खुद की जानकारी बढ़ाने पर फोकस किया। अपनी विरासत को जानने के इस जुनून में उन्हें अनेक पत्थर और शिलालेख मिले। इस काम में धनपाल जी का मन ऐसा रमा – ऐसा रमा कि उन्होंने एपिग्राफी यानी शिलालेखों से जुड़े विषय में डिप्लोमा भी कर लिया। हालाँकि अब वे रिटायर हो चुके हैं, लेकिन बेंगलुरु के इतिहास खँगालने का उनका शौक अब भी बरक़रार है।

साथियो, मुझे ब्रायन डी खारप्रन के बारे में बताते हुए बेहद ख़ुशी हो रही है। ये मेघालय के रहने वाले हैं और उनकी स्पेलियो-लॉजी में गज़ब की दिलचस्पी है। सरल भाषा में कहा जाए तो इसका मतलब है– गुफाओं का अध्ययन। वर्षों पहले उनमें यह इंटरेस्ट तब जगा, जब उन्होंने कई स्टोरी बुक्स पढ़ीं। 1964 में उन्होंने एक स्कूली छात्र के रूप में अपना पहला एक्सप्लोरेशन किया। 1990 में उन्होंने अपने दोस्त के साथ मिलकर एक एसोसिएशन की स्थापना की और इसके ज़रिए मेघालय की अनजान गुफाओं के बारे में पता लगाना शुरू किया। देखते ही देखते उन्होंने अपनी टीम के साथ मेघालय की 1700 से ज़्यादा गुफाओं की ख़ोज कर डाली और राज्य को वर्ल्ड केव मैप पर ला दिया। भारत की सबसे लम्बी और गहरी गुफाओं में से कुछ मेघालय में मौजूद हैं। ब्रायन जी और उनकी टीम ने केव फौना यानी गुफा के उन जीव-जन्तुओं को भी डॉक्यूमेंट किया है, जो दुनिया में और कहीं नहीं पाए जाते हैं। मैं इस पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करता हूँ, साथ ही मेरा यह आग्रह भी है कि आप मेघालय के गुफाओं में घूमने का प्लान ज़रूर बनाएँ।

मेरे परिवारजनो, आप सभी जानते हैं कि डेयरी सेक्टर, हमारे देश के सबसे इम्पोर्टेन्ट सेक्टर में से एक है। हमारी माताओं और बहनों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने में तो इसकी बहुत अहम भूमिका रही है। कुछ ही दिनों

सतत् दूध उत्पादन

गौशालाओं का संरक्षण, भविष्य का पोषण

पहले मुझे गुजरात की बनास डेयरी के एक इंट्रेस्टिंग इनिशिएटिव के बारे में जानकारी मिली। **बनास डेयरी, एशिया की सबसे बड़ी डेयरी मानी जाती है। यहाँ हर रोज़ औसतन 75 लाख लीटर दूध प्रोसेस किया जाता है।** इसके बाद इसे दूसरे राज्यों में भी भेजा जाता है। दूसरे राज्यों में यहाँ के दूध की समय पर डिलीवरी हो, इसके लिए अभी तक टैंकर या फिर मिल्क ट्रेनों का सहारा लिया जाता था, लेकिन इसमें भी चुनौतियाँ कम नहीं थीं। एक तो यह कि लोडिंग और अनलोडिंग में समय बहुत लगता था और कई बार इसमें दूध भी ख़राब हो जाता था। इस समस्या को दूर करने के लिए भारतीय रेलवे ने एक नया प्रयोग किया। रेलवे ने पालनपुर से न्यू रेवाड़ी तक ट्रक-ऑन-ट्रैक की सुविधा शुरू की। इसमें दूध के ट्रकों को सीधे ट्रेन पर चढ़ा दिया जाता है, यानी ट्रांसपोर्टेशन की बहुत बड़ी दिक्कत इससे दूर हुई है। **ट्रक-ऑन-ट्रैक सुविधा के नतीज़े बहुत संतोष देने वाले रहे हैं। पहले जिस दूध को पहुँचाने में 30 घंटे लग जाते थे, वो अब आधे से भी कम समय में पहुँच रहा है। इससे जहाँ ईंधन से होने वाला प्रदूषण रुका है, वहीं ईंधन का खर्च भी बच रहा है। इससे बहुत बड़ा लाभ ट्रकों के ड्राइवरों को भी हुआ है, उनका जीवन आसान बना है।**

साथियो, कलेक्टिव एफर्ट्स से आज हमारी डेयरीज़ भी आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ रही हैं। बनास डेयरी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी किस तरह से कदम आगे बढ़ाया है, इसका पता सीडबॉल वृक्षारोपण अभियान से चलता है। वाराणसी मिल्क यूनियन हमारे डेयरी फार्मर्स की आय बढ़ाने के लिए मनुरे मैनेजमेंट पर काम कर रही है। केरला की मालाबार मिल्क यूनियन डेयरी का प्रयास भी बेहद अनूठा है। यह पशुओं की बीमारियों के इलाज के लिए आयुर्वेदिक मेडिसिन्स विकसित करने में जुटी है।

साथियो, आज ऐसे बहुत से लोग हैं, जो डेयरी को अपना कर इसे डाइवर्सीफाई कर रहे हैं। राजस्थान के कोटा में डेयरी फार्म चला रहे अमनप्रीत

सिंह के बारे में भी आपको ज़रूर जानना चाहिए। उन्होंने डेयरी के साथ बायोगैस पर भी फोकस किया और दो बायोगैस प्लांट्स लगाए। इससे बिजली पर होने वाला उनका खर्च करीब 70 प्रतिशत कम हुआ है। इनका यह प्रयास देशभर के डेयरी फार्मर्स को प्रेरित करने वाला है। **आज कई बड़ी डेयरीज़, बायोगैस पर फोकस कर रही हैं। इस प्रकार के कम्युनिटी ड्रिवन वैल्यू एडिशन बहुत उत्साहित करने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि देशभर में इस तरह के ट्रेंड्स निरंतर जारी रहेंगे।**

मेरे परिवारजनो, मन की बात में आज बस इतना ही। अब त्योहारों का मौसम भी आ ही गया है। आप सभी को रक्षाबंधन की भी अग्रिम शुभकामनाएँ। पर्व-उल्लास के समय हमें वोकल फॉर लोकल के मंत्र को भी याद रखना है। 'आत्मनिर्भर भारत' ये अभियान हर देशवासी का अपना अभियान है और जब त्योहार का माहौल है तो हमें अपनी आस्था के स्थलों और उसके आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ तो रखना ही है, लेकिन हमेशा के लिए। अगली बार आपसे फिर 'मन की बात' होगी, कुछ नए विषयों के साथ मिलेंगे। हम देशवासियों के कुछ नए प्रयासों की, उनके सफलता की जी-भर करके चर्चा करेंगे। तब तक के लिए मुझे विदा दीजिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

'मन की बात' सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

मन की बात

प्रधानमंत्री द्वारा विशेष उल्लेख

चंद्रयान-3

भारत का सफल चंद्र मिशन

“23 अगस्त को भारत ने और भारत के चंद्रयान ने ये साबित कर दिया है कि संकल्प के कुछ सूरज चाँद पर भी उगते हैं। मिशन चंद्रयान नए भारत की उस स्पिरिट का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना जानता भी है।”

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(‘मन की बात’ सम्बोधन में)

“मैं अपनी मंज़िल तक पहुँच गया और आप भी!”

चंद्रयान-3 के इस संदेश ने चंद्रमा पर भारत की पहली सफल लैंडिंग का इतिहास लिख दिया। 23 अगस्त, 2023 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रमा पर लैंडिंग के अंतिम चरण– चंद्रयान-3 लैंडर, विक्रम, का स्वचालित लैंडिंग अनुक्रम (ALS) शुरू किया, जिसने चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की। इस सफलता के साथ ही भारत चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला दुनिया का चौथा देश और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बन गया।

श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एलवीएम3-एम4 पर लॉन्च किए गए अंतरिक्ष यान ने 14 जुलाई, 2023 को अपनी यात्रा शुरू की। चंद्रयान-3 में दो भाग– संचालक और लैंडर-रोवर मॉड्यूल शामिल थे। इसे भारत की असाधारण तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए स्वदेशी रूप से विकसित किया गया था। चाँद की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और रोविंग में एंड-टू-एंड क्षमता प्रदर्शित करने के अपने विज़न के अलावा चंद्रयान-3 का उद्देश्य चंद्रमा के वायुमंडल, मिट्टी और खनिजों के बारे

“मेरा अनुमान है कि हमारे प्रधानमंत्री अंतरिक्ष प्रेमी हैं। वह प्रौद्योगिकी के महत्त्वपूर्ण मूल्य और समाज, राष्ट्र और शासन में इसके अनुप्रयोगों को समझते हैं, जिसे उन्होंने हमारे साथ अपनी बातचीत के दौरान अच्छी तरह से व्यक्त किया है। मैं उनका बहुत आभारी हूँ।”

-एस. सोमनाथ
अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

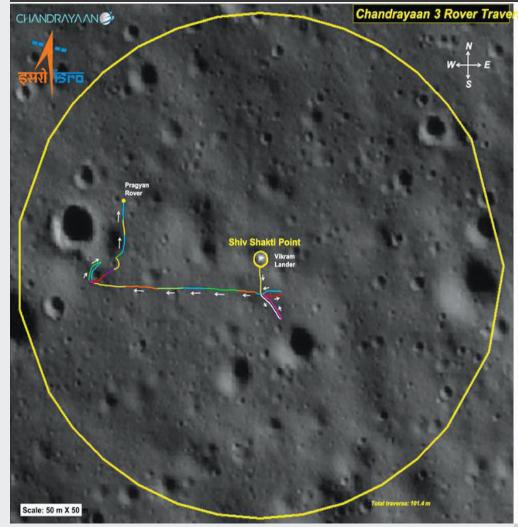

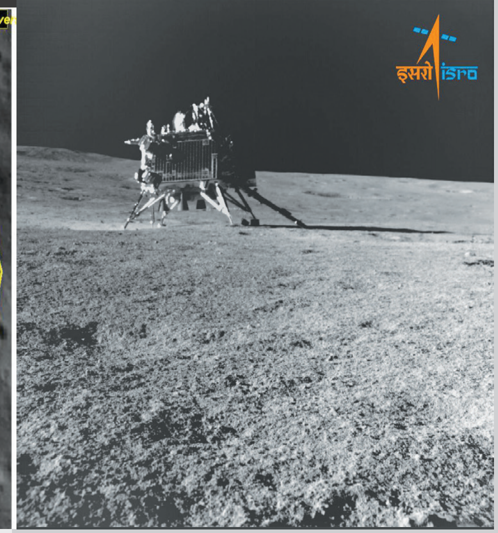

में विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोग करना भी था। विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग ने भारत के भविष्य के लैंडिंग मिशन और अंतरग्रहीय अन्वेषण में अन्य तकनीकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर दिया है।

अपने पहले साउंडिंग रॉकेट की लॉन्चिंग से लेकर सफल चंद्र मिशन तक भारत की अंतरिक्ष यात्रा उल्लेखनीय रही है। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का विकास उन हज़ारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों के धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है, जो डॉ. विक्रम साराभाई के इस दृष्टिकोण में विश्वास करते थे कि ‘हमें मनुष्य और समाज की वास्तविक समस्याओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग में किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए।’ हाल के वर्षों में सफल अंतरिक्ष अभियानों के साथ भारत अब ‘मेक इन इंडिया’ के ब्रांड को चंद्रमा तक ले गया है। मार्स ऑर्बिटर मिशन (MoM), ‘एस्ट्रोसैट’– भारत की पहली समर्पित अंतरिक्ष खगोल विज्ञान वेधशाला, IRNSS-भारत की अपनी क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (जिसे NavIC भी कहा जाता है) सहित इसरो की विभिन्न परियोजनाएँ न केवल अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन कर रही हैं, बल्कि भारत को वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित भी कर रही हैं। इसके अलावा इसरो ने संयुक्त मिशन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ समझौतों और समझौता ज्ञापनों (MoVs) पर हस्ताक्षर किए हैं।

हालाँकि अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता केवल उपग्रहों के प्रक्षेपण या अंतरिक्ष की खोज से कहीं अधिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसरो ने अंतरिक्ष अनुप्रयोगों और प्रौद्योगिकी को शासन के हर पहलू से भी जोड़ने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। आज कृषि, जल संसाधन, भूमि उपयोग/भूमि आवरण, ग्रामीण विकास, पृथ्वी तथा जलवायु अध्ययन, भूविज्ञान, शहरी बुनियादी ढाँचे, आपदा प्रबंधन सहायता और वानिकी जैसे कई क्षेत्रों में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों

का तेज़ी से उपयोग किया जा रहा है।

भारतीय निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा नीतिगत बदलावों को सक्षम करने और निजी कम्पनियों तथा स्टार्ट-अप के लिए एक समान अवसर प्रदान करने के लिए IN-SPACE (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र) बनाया गया था। वर्तमान में इसरो 150 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के साथ काम कर रहा है, जो बहुत कम समय में उभरे हैं। सरकार तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी के निरंतर समर्थन के साथ, भारत दुनिया भर में अंतरिक्ष अन्वेषण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

'मन की बात' के 104वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 मिशन में इसरो की महिला वैज्ञानिकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और महिलाओं के नेतृत्व में विकास की शक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा, "इस पूरे मिशन में अनेकों महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर सीधे तौर

पर जुड़ी रही हैं। किसी देश की बेटियाँ जब इतनी आकांक्षी हो जाएँ, तो उस देश को विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है!" आज महिला वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष, परमाणु विज्ञान, ड्रोन, नैनो-प्रौद्योगिकी और कई अन्य महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक परियोजनाओं में अपने लिए एक जगह बनाई है।

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, सरकार ने नारी शक्ति को भारत की विकास यात्रा में सबसे आगे रखने के लिए महत्त्वपूर्ण प्रयास किए हैं। महिला नवप्रवर्तकों को देश का

"मिशन चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि हमारे पास प्रदर्शित करने के लिए बहुत सी नई तकनीकें थीं, क्योंकि अन्य रिमोट सेंसिंग उपग्रहों की तुलना में लैंडिंग बिल्कुल अलग थी। अंततः जब हमने सफल लैंडिंग की, तब हमें लगा कि हमने वास्तव में यह कर लिया है।"

-कल्पना कालाहस्ती

एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, चंद्रयान-3

नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाने के लिए सरकार ने महिलाओं के लिए औद्योगिक अनुसंधान फ़ेलोशिप, विज्ञान तथा इंजीनियरिंग में महिलाएँ-किरण योजना, क्यूरी कार्यक्रम, मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'विज्ञान ज्योति', STEMM कार्यक्रम और गति पहल में महिलाओं के लिए इंडो-यूएस फ़ेलोशिप जैसी विभिन्न योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रोत्साहन के साथ विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महिलाएँ आज बाधाओं को तोड़ रही हैं। वे न केवल अपने सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं, बल्कि महिलाओं की भावी पीढ़ियों को STEMM में करियर बनाने के लिए प्रेरित भी कर रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की लम्बी छलाँग ने युवाओं में वैज्ञानिक जिज्ञासा जगाई है और उन्हें इस गौरवशाली वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया है।

चंद्रयान-3 की टाइमलाइन

चंद्रयान-3, भारत का तीसरा चंद्र अन्वेषण मिशन LVM3-M4 लॉन्चर पर रवाना हुआ। चंद्रमा की सतह पर इस सफल लैंडिंग से इसरो के भविष्य के अंतरग्रहीय मिशनों को समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत के अंतरिक्ष अभियानों को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

14 जुलाई, 2023
LVM3-M4 वाहन ने चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक कक्षा में प्रक्षेपित किया

1 अगस्त, 2023
चंद्रयान-3 ने पृथ्वी के चारों ओर अपनी परिक्रमा पूरी की और चंद्रमा की ओर ट्रांसलूनर कक्षा में प्रविष्ट हुआ

5 अगस्त, 2023
चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हुआ

17 अगस्त, 2023
लैंडर मॉड्यूल प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग हुआ

23 अगस्त, 2023
भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की और MOX-ISTRAC, बेंगलुरु के साथ संचार लिंक स्थापित किया।

24 अगस्त, 2023
चंद्रयान-3 का रोवर प्रज्ञान विक्रम लैंडर से रैंप पर नीचे उतरा और भारत ने चाँद पर सैर की

विक्रम लैंडर

का मिशन जीवन 1 चंद्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) का है और इसमें 3 पेलोड हैं

RAMBHA-LP
(लैंगमुइर प्रोब)

सरफेस प्लाज़्मा डेंसिटी और समय के साथ इसके परिवर्तनों को मापने के लिए

ChaSTE
(चंद्राज़ सरफेस थर्मोफिज़िकल एक्सपेरिमेंट)

ध्रुवीय क्षेत्र के निकट चंद्रमा की सतह के तापीय गुणों को मापने के लिए

ILSA
(इंस्ट्रूमेंट फ़ॉर लूनार सिस्मिक एक्टिविटी)

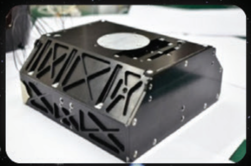

लैंडिंग स्थल के आस-पास सिस्मिसिटी को मापने और चंद्र परत और मेंटल की संरचना का चित्रण करने के लिए

प्रज्ञान रोवर

का मिशन जीवन 1 चंद्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) का है और इसमें 2 पेलोड हैं

APXS
(अल्फ़ा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर)

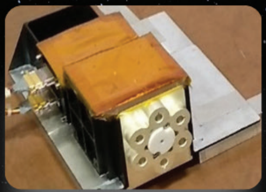

चंद्र लैंडिंग स्थल के आस-पास चंद्र मिट्टी और चट्टानों की मौलिक संरचना का निर्धारण करने के लिए

LIBS
(लेज़र इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पैक्ट्रोस्कोप)

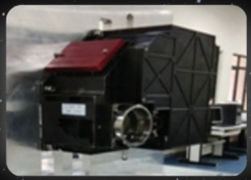

चंद्र-सतह के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाने के लिए रासायनिक संरचना प्राप्त करना और खनिज संरचना का अनुमान लगाना

प्रोपल्शन मॉड्यूल पेलोड

SHAPE
(स्पेक्ट्रो-पोलरीमेट्री ऑफ़ हैबिटेबल प्लैनेट अर्थ)

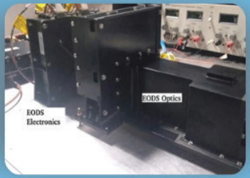

भविष्य में पृथ्वी जैसे एक्सोप्लेनेट की पहचान करने में मदद के लिए प्रायोगिक पेलोड

दुनिया ने भारत की ऐतिहासिक चंद्रमा लैंडिंग की सराहना की

UK Space Agency @spacegovuk

History made! 🇮🇳🌓

Congratulations to @isro 👏

#Chandrayaan3

> **ISRO** @isro · Aug 23
> Chandrayaan-3 Mission:
> 'India🇮🇳,
> I reached my destination
> and you too!'
> : Chandrayaan-3
>
> Chandrayaan-3 has successfully soft-landed on the moon 🌓!.
>
> Congratulations, India🇮🇳!
>
> #Chandrayaan_3
> #Ch3

岸田文雄 @kishida230

Congratulations for the historic success of the landing of Chandrayaan-3 on the Moon. I look forward to our cooperation in the field of moon exploration between JAXA @JAXA_jp and ISRO @isro. (@lupex_jaxa) @narendramodi

Josef Aschbacher @AschbacherJosef

Incredible! Congratulations to @isro, #Chandrayaan_3, and to all the people of India!!

What a way to demonstrate new technologies AND achieve India's first soft landing on another celestial body. Well done, I am thoroughly impressed.

And kudos once again to @esaoperations for your precious support through this process. We, too, are learning great lessons and providing crucial expertise. A strong international partner is a powerful partner.

UN GA President @UN_PGA

Congratulations, India 🇮🇳 @isro, on the historic landing of #Chandrayaan3 on the moon's South Pole.

A giant step for humanity, science, and innovation. And a giant step for India. 👏

@narendramodi @DrSJaishankar @IndiaUNNewYork

Portion of the Chandrayaan-3's landing site taken after landing

Vice President Kamala Harris @VP

Congratulations to India for the historic landing of Chandrayaan-3 on the southern polar region of the moon. It's an incredible feat for all the scientists and engineers involved. We are proud to partner with you on this mission and space exploration more broadly.

Prime Minister's Office - PMO, Bhutan
23 August at 18:07

Congratulations Narendra Modiji and India! We rejoice with you in the successful landing of the auspicious Chandrayaan-3. Like you all, we said our prayers and held breath with as much nervousness and excitement, because we know this is not just about India.

It is about securing newer pole and contributing to scientific knowledge that will benefit the entire humanity. We are proud of you!

ISRO - Indian Space Research Organisation

محمد بن زايد @MohamedBinZayed

The successful lunar landing of India's Chandrayaan-3 spacecraft represents a significant leap for collective scientific progress. I extend my heartfelt congratulations to Prime Minister @narendramodi and the people of India for this historic achievement in service of humankind.

Pedro Sánchez @sanchezcastejon

India's achievement opens up new horizons for humanity.

This mission is another proof of the power of science and of the great opportunities it offers us to keep promoting scientific progress and research.

Congratulations, @narendramodi!

Anwar Ibrahim @anwaribrahim

Sending congratulations to the Prime Minister of India, Narendra Modi, and the people of the Republic of India on the successful landing of India's spacecraft, Chandrayaan-3, last night on the south pole of the moon, which has never been explored by humans before.

India has now achieved a significant milestone on the moon, and I view this achievement not only as India's success but also as a success for Asia and all its citizens. Malaysia also takes pride in this accomplishment, and it is indeed the "The Asian Century."

Photo: ISRO

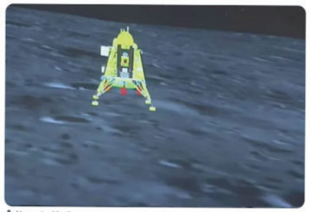

Narendra Modi

Ursula von der Leyen @vonderleyen

Congratulations to @narendramodi for the successful 🇮🇳 landing of Chandrayaan-3.

A historic milestone and proud moment for the Indian people.

India has become a true pioneer in space exploration.

This Indian success will benefit researchers all over the world.

Sundar Pichai @sundarpichai

What an incredible moment! Congratulations to @isro for the successful landing of #Chandrayaan3 on the moon this morning. Today India became the first country to successfully achieve a soft landing on the southern polar region of the moon.

Giorgia Meloni @GiorgiaMeloni

Mi congratulo con il Primo Ministro @narendramodi per un successo storico nell'esplorazione spaziale.
Il riuscito allunaggio di Chandrayaan-3 al Polo Sud della luna è la realizzazione di un grande impegno scientifico, industriale ed organizzativo, ma anche del sogno di una comunità nazionale e della volontà umana di andare sempre oltre.
Sono certa che gli sforzi dell'India di avanzare verso nuove frontiere nella conoscenza umana favoriranno la collaborazione bilaterale con le istituzioni italiane che hanno straordinarie competenze scientifiche e sono lieta di poter incontrare nuovamente il Primo Ministro Modi quando tornerò tra poche settimane a Nuova Delhi in occasione del

Andrew Holness @AndrewHolnessJM

Jamaica congratulates the Government and people of India on the remarkable success of their Chandrayaan-3 lunar mission.

Denis Alipov 🇷🇺 @AmbRus_India

बधाई हो, भारत! 🇮🇳 A historic triumph unfolds as #Chandrayaan3 lands flawlessly on the Moon's South Pole! 🚀 Humanity's quest for space exploration takes a monumental leap forward. Kudos to the brilliant minds behind this remarkable feat!

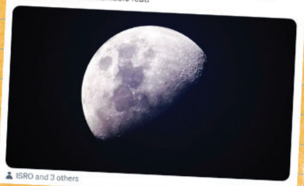

ISRO and 3 others

एस. सोमनाथ
अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

दिल माँगे मोर

अंतरिक्ष फ्रैटर्निटी में यह बहुत स्पष्ट है कि यदि आप में जोखिम उठाने का साहस नहीं है, तो आप कुछ भी हासिल नहीं कर पाएँगे। हम समझते हैं कि किसी भी काम में असफलता और निराशा या सफलता और प्रशंसा हो सकती है, लेकिन हमें फिर भी अपना काम करते रहना चाहिए। पिछली बार चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग में विफलता ने हमें पर्याप्त डेटा दिया, जिससे हम सिस्टम में कमियों का विश्लेषण कर सकें। हमने कमियों को समझा और अधिक अनुरूपता तथा बाउंड्री ऑपरेशन बनाने और उन सभी सम्भावनाओं को कवर करने की दिशा में अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए काम किया, जिनके बारे में हम सोच सकते थे, इसलिए इस बार हम वास्तव में आश्वस्त थे।

पेलोड को कुछ कार्य सौंपे गए थे। लैंडिंग के बाद, रोवर के पास मौलिक संरचना की पहचान करने के लिए मून मिनरोलॉजी से सम्बन्धित दो महत्त्वपूर्ण उपकरण थे– अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (APXS) और लेज़र प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (LIBS)। हमने इनसे काफ़ी जानकारी हासिल की है– जैसे, सल्फर एक ऐसे तत्व के होने का संकेत है, जिसके इतनी बड़ी मात्रा में होने की हमें कभी उम्मीद नहीं थी। हमने कई स्थानों पर तत्वों के फैलाव के सन्दर्भ में बहुत कुछ खोजा। एक अन्य पेलोड ChaSTE ने हमें तापमान विभाजन के बहुत अलग निष्कर्ष दिए। हमने पाया कि ऊपर से मात्र 10 से.मी. नीचे तक के तापमान में बहुत भारी अंतर है। हमने वहाँ आयनिक उपस्थिति को भी देखा, पर वह हमारी अपेक्षा से बहुत कम थी। भूकम्पीय गतिविधियाँ बहुत दिलचस्प थीं, हमने पाया कि चंद्रमा के केंद्र के अंदर गतिविधियाँ हो रही हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई त्रुटि न हो, इन सभी को सटीक रूप से मापने और समय-समय पर अध्ययन करने की आवश्यकता है, ताकि जब हम वास्तव में दुनिया को अपने असाधारण और महत्त्वपूर्ण निष्कर्षों के बारे में बताएँ, तो हमें बहुत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

अब प्राथमिक मिशन के सभी लक्ष्यों को पूरा करने के बाद, अब 'हमारा दिल माँगे मोर'। मैंने अपनी टीम से कहा है कि 14 दिन बाद रोवर के जीवंत होने के बाद जहाँ तक सम्भव हो, नई चीज़ों को समझने का प्रयास करें। हम भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रयोग, मिशन प्रबन्धन और वैज्ञानिक कार्य करेंगे, जिसके लिए यहाँ हर कोई उत्साहित है।

प्रधानमंत्री द्वारा नामित लैंडिंग स्थल 'शिव शक्ति' और तिरंगा का बहुत गहरा भारतीय सम्बन्ध है। उन्होंने इन नामों को पूरे भारत से जोड़ते हुए बताया कि यह पुरुषों और महिलाओं का सामूहिक कार्य है। यहाँ इसरो में, हमारा महिला कार्यबल अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित है और वे न केवल सॉफ्ट वर्क करती हैं, बल्कि ऐसे काम भी करती हैं, जिनके बारे में लोग सोचते हैं कि केवल पुरुष ही इन्हें अच्छी तरह कर सकते हैं।

इसरो का नया मिशन आदित्य एल-1 लम्बे समय तक सूर्य को करीब से देखने और पृथ्वी पर इसके प्रभाव को समझने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया है। इस उद्देश्य के लिए हमने एक कोरोनोग्राफ, यूवी टेलीस्कोप, सॉफ्ट एक्स-रे, हार्ड एक्स-रे और कण मापक तथा चुम्बकत्व का पता लगाने वाला उपकरण लगाया है, जो हमें अवलोकन की एक विस्तृत शृंखला देगा, जिसे खुली आँखों से पहचाना नहीं जा सकता है। ये अवलोकन क्षमताएँ दुनिया में अग्रणी माध्यम बनने जा रही हैं।

मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री अंतरिक्ष प्रेमी हैं। वे प्रौद्योगिकी के महत्त्व और समाज, राष्ट्र तथा शासन में इसके अनुप्रयोगों को समझते हैं, जिसे उन्होंने हमारे साथ अपनी बातचीत के दौरान सहज ही व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने गगनयान जैसे नए मिशन शुरू करने के साथ-साथ निजी उद्यमियों और अंतरिक्ष स्टार्टअप को लाकर अंतरिक्ष रिफॉर्म्स के माध्यम से भारतीय परिदृश्य को बदलने की परिकल्पना की है। हमारी मज़बूत उपग्रह क्षमता के कारण संचार से लेकर रिमोट सेंसिंग तक हमारे सेवा क्षेत्र का भी विस्तार हुआ है। इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूँ।

हमारी सॉफ्ट लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन, हमारे देश की तकनीकी दक्षता को दर्शाता है और भारत में ज्ञान या प्रौद्योगिकी की कोई कमी नहीं है। अब, हमें आगे के चंद्रमा मिशनों, मंगल लैंडिंग मिशनों पर ध्यान देना होगा और हम चंद्रमा से सैम्पल रिटर्न प्राप्त करने पर भी काम कर सकते हैं। मेरा मानना है कि यह सम्भव है कि एक दिन हम किसी इंसान को चंद्रमा और मंगल ग्रह की अंतरिक्ष उड़ान में ले जा सकें। गगनयान के परीक्षणों की अगली शृंखला इस वर्ष होगी। मैं चाहता हूँ कि अगली पीढ़ी इस अमृत काल में बड़ा और आगे की सोचे।

कल्पना कालाहस्ती
असोसिएट निदेशक, चंद्रयान-3, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

चंद्रमा के स्पर्श के साथ मिशन पूरा

यह एक अभूतपूर्व सफलता है। यह एक ऐसा महत्त्वपूर्ण अवसर है, जिसका जश्न हम सभी को मनाना चाहिए। हमारा देश चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला पहला देश बन गया है, साथ ही अब हम चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश भी हैं। इसलिए यह निश्चित रूप से एक ख़ुशी का क्षण है। यह हमारी पूरी टीम के अपार और अथक प्रयासों का परिणाम है।

यह मिशन चुनौतियों से भरा हुआ था। हम पहली बार अनेक नई तकनीकों को प्रदर्शित कर रहे थे। अन्य रिमोट सेंसिंग उपग्रहों की तुलना में लैंडिंग बिल्कुल अलग थी। हमें वास्तव में सॉफ्ट लैंडिंग के लिए आवश्यक सभी नई तकनीकों का इस्तेमाल करना पड़ रहा था। हम चंद्रयान-2 के दौरान काफ़ी हद तक प्रदर्शन कर सके और चंद्रयान-3 में सफलता का प्रदर्शन करने के लिए फिर से आगे बढ़े। हमें पहले इस बात को ध्यान में रखना था कि वास्तव में क्या गलत हुआ और यह समझना भी था कि किन सुधारों की आवश्यकता थी और हमें इस अंतरिक्ष यान का पुनर्निर्माण कैसे करना है। इसलिए प्रारम्भिक चरण में यह समझना महत्त्वपूर्ण था कि क्या करने की आवश्यकता है और उसके बाद हमने अंतरिक्ष यान के निर्माण का अपना वास्तविक कार्य शुरू किया। हमें सभी आवश्यक परीक्षण और सिमुलेशन करने थे। सिमुलेशन सभी सम्भावित फैलाव के मामलों का विस्तृत लेखा-जोखा था। हमें यह अनुमान लगाना था कि सम्भावित गलतियाँ क्या हो सकती हैं। गलतियों से बचते हुए हमें ऐसा उपग्रह तैयार करना था, जो किसी प्रकार की त्रुटियों से मुक्त हो।

लैंडिंग से कुछ क्षण पहले मैं चंद्रयान-3 के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. पी. वीरमुथुवेल के साथ वहाँ उपस्थित थी। लैंडिंग के चार महत्त्वपूर्ण फेज़– रफ ब्रेकिंग फेज़, एटीट्यूड होल्डर फेज़ के बाद फाइन ब्रेकिंग फेज़ और टर्मिनल फेज़ हैं। प्रत्येक फेज़ को पार करते हुए हम राहत की साँस ले रहे थे। विशेष रूप से जब हमने एटीट्यूड होल्ड फेज़ और सबसे महत्त्वपूर्ण होवरिंग फेज़ देखे, जब लैंडर मंडरा रहा था और वेलोसिटी किल की गई थी, तब आपने हमारी टीम के सभी लोगों को (मिशन नियंत्रण कक्ष में) तालियाँ बजाते हुए देखा होगा। अंततः, जब हमने चंद्रमा की सतह का स्पर्श किया, तब हमें लगा कि हमने इस मिशन को पूरा कर लिया है।

प्रधानमंत्री ने लैंडिंग प्वाइंट का नाम 'शिव शक्ति' रखा। हमारे अध्यक्ष ने कहा कि यह बिल्कुल सही नाम दिया गया है, क्योंकि प्रोजेक्ट डायरेक्टर शिव हैं और एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर शक्ति हैं। इसी तरह, हमारे केंद्रों में टीम के हिस्से के रूप में काम करने वाले बहुत सारे पुरुष और महिलाएँ हैं– वे सभी वास्तव में शक्ति और शिव हैं। मुझे लगता है कि विशेष रूप से इस प्रोजेक्ट में पुरुषों और महिलाओं के समान योगदान का प्रतिनिधित्व करने वाला यह एक सुंदर नाम है।

वैज्ञानिक पृष्ठभूमि और इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के अलावा प्रशासन, वित्त, निर्माण और कई अन्य क्षेत्रों से बहुत सारी महिलाएँ हैं, जिन्होंने इस परियोजना में अत्यधिक योगदान दिया है। कार्यस्थल पर ऐसे क्षण काफ़ी कठिन होते हैं, किंतु हमें इसे शांत दिमाग से सम्भालना होता है और यही वह समय होता है, जब परिवार का समर्थन मुख्य भूमिका निभाता है। वे हमारी ताकत हैं। हमारे कार्यालय में हमारी टीम होती है, हमारे वरिष्ठ, जिसका समर्थन करते हैं, लेकिन परिवार इनके साथ संतुलन बैठाने में प्रमुख भूमिका निभाता है।

महिलाएँ, जिन्होंने चंद्रयान-3 मिशन को सफल बनाया

'मन की बात' के 104वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता में इसरो की महिला वैज्ञानिकों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। 26 अगस्त, 2023 को उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी की कई महिला वैज्ञानिकों से मुलाकात भी की। दूरदर्शन ने कुछ महिला वैज्ञानिकों से बात कर उनके अनुभव के बारे में जाना।

वनिता मुथैया

परियोजना निदेशक, चंद्रयान-2 और उप निदेशक, पेलोड और डेटा प्रबंधन, चंद्रयान-3

"चंद्रयान-2 के लिए मैंने 2013 में काम करना शुरू किया था। इस प्रकार, यह काम लगभग सात वर्षों के दौरान किया गया है। जब (2019 में) हम चाँद पर सॉफ़्ट लैंडिंग नहीं कर पाए, तो मेरी टीम का दिल टूट गया। उस समय प्रधानमंत्री समर्थन और प्रोत्साहन के स्रोत थे और उन्होंने हमारी टीम को और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया और दूसरी बार हमें पूरा यकीन था कि हम सफल होंगे। जब लैंडिंग हुई तो हम सभी बहुत खुश थे। हम न केवल लैंडिंग में कामयाब हुए, बल्कि लैंडर से हमारा रोवर भी बाहर आया, एक ऐसा पल, जो हमेशा हमारी यादों में रहेगा। पूरी टीम — सभी पुरुष और महिलाएँ — हर कोई अपना काम लगन से करता है। अगर उनमें से 99.99% अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और वह 0.1% व्यक्ति कुशलतापूर्वक कार्य नहीं करता है, तो पूरा मिशन विफल हो जाता है। इसलिए पूरी टीम को साथ लेकर चलना होता है और हमें यह सुनिश्चित करना होता है कि हर व्यक्ति अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे।"

कल्पना अरविंद

एसोसिएट निदेशक, लेबोरेटरी फ़ॉर इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम्स (LEOS), ISRO

"मैं LEOS में काम करती हूँ, जहाँ हम सेंसर बनाते हैं, जिन्हें उपग्रहों की आँखें भी कहा जाता है। हमारे पास अत्यधिक सटीक सेंसर हैं, जो सही एटीट्यूड ओरिएंटेशन देते हैं, जो हमें प्रारम्भिक बर्न्स और चाँद की कक्षा तक पहुँचने में मदद करते हैं। एक बार जब हम चाँद की कक्षा में पहुँच जाते हैं, तो सेपरेशन और लैंडिंग के समय हमें कुछ नेविगेशन सेंसर की आवश्यकता होती है, जिन्हें स्थिति और वेग को मापना होता है। हमने चंद्रयान-2 से बहुत कुछ सीखा और इस बार बेहतर प्रदर्शन के लिए इसमें और सुधार किया। लैंडिंग एक बहुत ही खुशी का क्षण था। मेरी आँखों में आँसू थे। ऐसा लग रहा था मानो मेरा बच्चा चंद्रमा पर उतर आया हो। पिछली बार हम रोवर का परीक्षण नहीं कर पाए थे। इसलिए जब यह लैंडर से बाहर निकला, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा पोता आ गया हो। प्रधानमंत्री पिछली बार भी हमारे साथ थे और इस बार भी। वह हमारी निराशा और खुशी, दोनों ही क्षणों में हमारे साथ थे। यह मेरा अब तक का सबसे अच्छा प्रक्षेपण है और यह ISRO की ओर से मेरा सबसे अच्छा उपहार भी है, जिसे मैं ले सकती हूँ, क्योंकि मैं अगले साल सेवानिवृत्त हो जाऊँगी।"

निगार शाजी

कार्यक्रम निदेशक, ISRO और परियोजना निदेशक, आदित्य-L1 मिशन

"चंद्रयान-3 की लैंडिंग मेरे करियर की सर्वश्रेष्ठ लैंडिंग है। यह एक बहुत ही आरामदायक और आनंददायक क्षण था और ISRO की टीम के काम का प्रमाण था। मैं 2016 से आदित्य-L1 पर काम कर रही हूँ। इसमें 8 साल की कड़ी मेहनत लगी है। मुझे पूरे प्रोजेक्ट को व्यवस्थित करने का मौका दिया गया। यह वास्तव में मेरे करियर का एक संतुष्टिदायक अनुभव था। पिछले अगस्त में मैंने लो-अर्थ ऑर्बिट्स और प्लैनेटरी प्लेटफ़ॉर्म्स के लिए कार्यक्रम निदेशक का पदभार सम्भाला। ये ज़िम्मेदारियाँ सौंपने के लिए उच्च प्रबंधन का मुझ पर भरोसा और विश्वास दिखाता है कि ISRO महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है और यहाँ कोई ग्लास सीलिंग नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति, जिसके पास क्षमता और योग्यता है, उसे गुड्स डिलीवर करने का अवसर दिया जाएगा। यह बात कि देश के प्रधानमंत्री स्वयं हमें प्रेरित करते हैं, एक टॉनिक का काम करती है। उनका यहाँ तक आना और हमें प्रेरित करना, हमारे प्रयासों के लिए तथा देश को और गौरव दिलाने के लिए एक वास्तविक प्रोत्साहन है।"

भारत की अध्यक्षता में G20

समावेशी, महत्त्वाकांक्षी, निर्णायक एवं कार्रवाई-उन्मुख

“G20 की हमारी प्रेसीडेंसी, पीपुल्स प्रेसीडेंसी है, जिसमें जन भागीदारी की भावना सबसे आगे है। G20 के जो ग्यारह इंगेजमेंट ग्रुप्स थे, उनमें अकेडेमिया, सिविल सोसाइटी, युवा, महिलाएँ, हमारे सांसद, एंटरप्रेन्योर्स, और अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन से जुड़े लोगों ने अहम भूमिका निभाई। इसे लेकर देशभर में जो आयोजन हो रहे हैं, उनसे किसी-न-किसी रूप से डेढ़ करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं।”

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(‘मन की बात’ सम्बोधन में)

“प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद, क्योंकि मेरे विचार से भारत की अध्यक्षता में इस G20 शिखर सम्मेलन ने जो हासिल किया है, वह अभूतपूर्व है। सबसे पहले और सबसे महत्त्वपूर्ण बात है सबका साथ पर उनका ध्यान और अफ्रीकी संघ को G20 का हिस्सा बनाना जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।”

-आर. दिनेश

अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)

G20 की अध्यक्षता को यदि एक शब्द में कहा जाए तो वो है समावेशिता। वसुधैव कुटुम्बकम् की अपनी भावना का अक्षरशः पालन करते हुए भारत ने दुनिया को ‘एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य’ का महत्त्व बताया है, जिससे समूचे विश्व की साझा सम्भावनाओं पर सामूहिक रूप से चिन्तन और कार्य किया जा सके।

G20 देशों का 18वां शिखर सम्मेलन बैठक सतत् विकास, प्रौद्योगिक कायाकल्प, लिंग समानता, महिला सशक्तीकरण, सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढाँचा और विश्व शान्ति जैसी विश्व समुदाय के समक्ष उपस्थित प्रमुख चिन्ताओं पर शत-प्रतिशत सर्वसम्मति के साथ सम्पन्न हुआ। 112 निष्कर्षों और अध्यक्षीय दस्तावेज़ों के साथ भारत ने पिछले अध्यक्षों की तुलना में तीन गुणा से अधिक काम किया। लीडर्स डेक्लरेशन एक गहन महत्व का क्षण होने के साथ ही बेहतर भविष्य के लिए एकजुट होने की विश्व की महत्त्वकांक्षा का एक प्रमाण है। ‘एक पृथ्वी’, ‘एक परिवार’ और ‘एक भविष्य’ के सत्रों के पश्चात्, नई दिल्ली लीडर्स डेक्लरेशन ऐतिहासिक और पथ-प्रवर्तक है और आज के समय में पृथ्वी, लोगों, शांति और समृद्धि के लिए एक शक्तिशाली आह्वान है।

एक समावेशी, महत्त्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख G20 की अध्यक्षता में दुनियाभर की चिन्ताओं, विशेषकर विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की गूँज सुनाई दी। G20 समूह में अफ्रीकी संघ का ऐतिहासिक समावेश; पहली बार ‘वॉयस ऑफ़ द ग्लोबल साउथ समिट’; G20 में शामिल 19 देशों के अलावा बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात को अतिथि देशों के रूप में शामिल करना; नियमित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अलावा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबन्धन, आपदारोधी बुनियादी ढाँचा गठबन्धन (CDRI) और एशियाई विकास बैंक को अतिथि अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में निमंत्रण देने के निर्णय से प्रतिभागी अपनी चिन्ताओं, विचारों, चुनौतियों और प्राथमिकताओं को सामने रखने में सक्षम हुए। प्रत्येक हितधारक को एक साझा मंच पर लाकर, भारत ने यह सुनिश्चित किया कि नई दिल्ली शिखर सम्मेलन से हासिल समाधान, विश्व के विकसित और विकासशील दोनों पक्षों की चिन्ताएँ दूर करें।

भारत की G20 अध्यक्षता अनेक नए पहलुओं की अध्यक्षता भी रही। G20 समूह की बैठकों और विचार-विमर्श को पहले से अधिक समावेशी बनाने के लिए भारत ने अनेक पहल कीं। सिंगापुर, बांग्लादेश, इटली, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, ब्राज़ील, अर्जेंटीना, मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात के साथ मिलकर भारत ने वैश्विक जैवईंधन गठबन्धन (ग्लोबल बायोफ़्यूल अलायंस) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य एक उत्प्रेरक मंच के रूप में जैवईंधन को दुनियाभर में बढ़ावा देना और इसे व्यापक रूप से अपनाए जाने के लिए सब देशों के साथ मिलकर काम करना है। नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर यूरोप से एशिया तक की कनेक्टिविटी का नया आगाज़ शुरू करने वाले, इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इक्नॉमिक कॉरिडोर

का शुभारम्भ किया गया, जो वैश्विक व्यापार, ऊर्जा और डिजिटल कनेक्टिविटी पर सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा।

भारत की G20 अध्यक्षता के तहत एक नया आधिकारिक इंगेजमेंट ग्रुप- स्टार्टअप-20 बनाया गया है, जो G20 देशों के स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ संवाद मंच के रूप में काम करेगा और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने वाला एक वैश्विक आख्यान बन सकेगा। भारत की G20 अध्यक्षता के तहत बने आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह का उद्देश्य G20 के सभी कार्यों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और विकासशील देशों को दी जाने वाली मदद को एकीकृत करना है। हाल ही में शुरू किए गए G20 चीफ़ साइंस एडवाइज़र राउंड टेबल (G20 सीएसएआर) का उद्देश्य स्वेच्छा से अपना ज्ञान और संसाधन साझा करना और विज्ञान परामर्श प्रक्रिया में सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए जगह बनाना है।

भारत ऐसा पहला देश रहा, जिसने G20 विदेश मंत्रियों की वार्षिक बैठक में निष्कर्ष दस्तावेज़ और अध्यक्षीय सारांश (एफएमएम ओडीसीएस) पारित करवाया। भारत की अध्यक्षता के दौरान बहुपक्षीय विकास बैंकों को मज़बूत करने और 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में उनकी दक्षता को बेहतर करने की सिफ़ारिशों के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह की स्थापना की गई।

महिलाओं की अगुआई में विकास, काउंटर नारकोटिक्स और पारम्परिक औषधियाँ नए फोकस क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं। वैश्विक स्वास्थ्य नवाचार का एक अहम क़दम उठाते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और G20 के अध्यक्ष भारत ने संयुक्त रूप से ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन डिजिटल हैल्थ का शुभारम्भ किया, जिसमें डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए प्रयासों और निवेशों को एक साथ जोड़ कर और एक व्यापक डिज़िटल स्वास्थ्य

पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर सभी पहलों को एकीकृत करने के लिए एक सामान्य ढाँचे की आवश्यकता स्वीकार की गई है।

मिलेट्स एंड अदर एंशिएंट ग्रेन्स इंटरनेशनल रिसर्च इनिशिएटिव– महर्षि का शुभारम्भ, G20 में साइबर सुरक्षा पर पहला सम्मेलन और पर्यावरण के लिए जीवनशैली– LiFE के सिद्धान्तों के महत्त्व पर बल से भी भारत के इस वैश्विक आख्यान की ओर विश्व का ध्यान आकर्षित हुआ है।

भारत की G20 की अध्यक्षता में समावेशिता केवल नेताओं के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह तो नौ महीनों के दौरान हुई G20 की बैठकों में भी परिलक्षित हुई। G20 शिखर सम्मेलन से पूर्व भारत ने 13 शेरपा ट्रैक वर्किंग ग्रुप, 8 फाइनैन्स ट्रैक वर्कस्ट्रीम, 11 इंगेजमेंट ग्रुप और 5 इनिशिएटिव की देशभर में 200 से अधिक बैठकों की मेज़बानी की। केवल राजधानी में एक महासम्मेलन आयोजित करने की परम्परा से हट कर, भारत की G20 अध्यक्षता में राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को शामिल करके इसे समूचे राष्ट्र का आयोजन और अनुभव बनाया गया।

देश भर के 60 शहरों में हुई बैठकों में लगभग 125 देशों से एक लाख से अधिक प्रतिनिधियों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और देश की जनसांख्यिकी, लोकतंत्र और विविधता को देखा। उनसे इंटरैक्ट करने वाले भारत के 1.5 करोड़ से अधिक लोग थे, जो किसी न किसी रूप में इन कार्यक्रमों में शामिल रहे, जिससे भारत का G20 का वर्ष जन भागीदारी का एक अनुपम उदाहरण बन गया। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा, G20 से सम्बन्धित गतिविधियों के विकेन्द्रीकरण का लक्ष्य नागरिकों, संस्थानों और शहरों की क्षमता निर्माण में निवेश करना था। हर एक बैठक ने देश के हर क्षेत्र के लोगों को एक विश्व स्तरीय आयोजन करने का अवसर और आत्मविश्वास दिया।

भारत ने सुनिश्चित किया कि प्रतिनिधियों का अनुभव केवल बैठकों में भाग लेने तक ही सीमित न रहे, बल्कि उन्हें देश की अद्‌भुत विविधता का आनन्द भी मिले। कर्नाटक की लम्बानी कला, वाराणसी में गंगा आरती, राजस्थान के विरासत स्थलों, केरल की सर्प नौका दौड़ से लेकर असम में बिहू नृत्य तक – हर राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश ने प्रतिनिधियों के मन पर एक अनूठी सांस्कृतिक छाप छोड़ी।

नई दिल्ली में G20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर भारत मण्डपम्‌ में एक शिल्प हाट बनाई गई। वसुधैव कुटुम्बकम्‌ के सन्देश और संस्कृति कार्य समूह के विशिष्ट अभियान 'कल्चर युनाइट्स ऑल' पर बल देने और G20 सदस्यों और आमन्त्रित देशों की साझा विरासत का उत्सव मनाने और उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक 'संस्कृति गलियारा– G20 डिजिटल संग्रहालय' बनाया गया। अपनी तरह का निराला 'म्यूज़ियम इन द मेकिंग' में पाणिनी की *अष्टाध्यायी* (संस्कृत व्याकरण का छठी शताब्दी का ग्रन्थ), ब्रिटेन की मैग्ना कार्टा, फ्रांस की मोनालिसा, दक्षिण अफ्रीका की स्टर्कफोंटेन गुफाओं में खोजी गई 25 से 28 लाख साल पुरानी जीवाश्म खोपड़ी मिसेज़ प्लैस तथा सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व की कई अन्य वस्तुएँ प्रदर्शित की गईं।

संस्कृति के अलावा, G20 में शामिल होने आए विश्व ने भारत में हो रहा सामाजिक परिवर्तन भी देखा – वो चाहे सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढाँचा हो, महिलाओं की अगुआई में हो रहा विकास हो, या सामाजिक और वित्तीय समावेशन हो। प्रतिनिधियों ने यह भी समझा कि आपदा प्रबन्धन और सतत्‌ जीवनशैली के लिए जिन समाधानों की आज विश्व को आवश्यकता है, वो भारत में सबसे निचले स्तर पर पहले ही सफलतापूर्वक लागू हो चुके हैं। G20 के, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) केन्द्रित दृष्टिकोण से परे यह बात स्वीकार की गई कि भारत अपने मानव-केन्द्रित दर्शन और नीतियों के बल पर विश्व का नेतृत्व कर रहा है।

G20 शिल्प हाट की झलकियाँ

G20 इंगेजमेंट समूह

भारत की G20 अध्यक्षता में 11 इंगेजमेंट समूह हैं, जिनमें प्रत्येक G20 सदस्य देश से गैर-सरकारी प्रतिभागी शामिल हैं। ये समूह कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और समृद्ध चर्चा में शामिल होने और नीति-निर्माण प्रक्रिया में योगदान करने का अवसर प्रदान करते हैं।

1 बिज़नेस 20 (B20)

2010 में स्थापित, B20 G20 के सबसे प्रमुख इंगेजमेंट समूहों में से एक है, जो वैश्विक व्यापार समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है। B20 का लक्ष्य वैश्विक-आर्थिक और व्यापार प्रशासन के मुद्दों पर ठोस कार्रवाई योग्य नीति सुझाव प्रदान करना है।

2 सिविल 20 (C20)

2013 में एक आधिकारिक G20 इंगेजमेंट ग्रुप के रूप में लॉन्च हुआ C20 G20 में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए गैर-सरकारी और गैर-व्यावसायिक आवाज़ों को सामने लाने के लिए एक मंच प्रदान करता है, इस दृष्टिकोण के साथ कि कोई भी पीछे न छूटे।

3 लेबर 20 (L20)

पहली बार 2011 में फ्रांस की अध्यक्षता के दौरान स्थापित L20 G20 देशों के ट्रेड यूनियन नेताओं को बुला कर श्रम सम्बन्धी मुद्दों को सम्बोधित करने के उद्देश्य से विश्लेषण और नीति सिफारिशें प्रदान करता है।

4 पार्लियामेंट 20 (P20)

2010 में कनाडा की अध्यक्षता के दौरान शुरू किया गया P20 का नेतृत्व G20 देशों की संसदों के अध्यक्षों द्वारा किया जाता है, जिनका उद्देश्य वैश्विक शासन में संसदीय आयाम लाना, जागरूकता बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के लिए राजनीतिक समर्थन बनाना है।

5 साइंस 20 (S20)

G20 देशों की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों को शामिल करते हुए S20 की शुरुआत 2017 में जर्मनी की अध्यक्षता के दौरान की गई थी। यह नीति-निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों वाले कार्यबलों के माध्यम से तैयार किए गए सर्वसम्मति-आधारित विज्ञान-संचालित सुझाव प्रस्तुत करता है।

6 सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थान-20 (SAI20)

SAI20, जो 2022 में इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी द्वारा पेश किया गया था, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने और G20 सदस्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में वैश्विक स्तर पर SAI द्वारा निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करने के लिए एक मंच है।

7 स्टार्टअप 20

2023 में भारत की G20 अध्यक्षता के तहत स्थापित स्टार्टअप20 का लक्ष्य स्टार्टअप्स को समर्थन देने और स्टार्टअप्स, कॉरपोरेट्स, निवेशकों, इनोवेशन एजेंसियों और अन्य प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र हितधारकों के बीच तालमेल को सक्षम करने के लिए एक वैश्विक आख्यान तैयार करना है।

8 थिंक 20 (T20)

2012 में मैक्सिकन प्रेसीडेंसी के दौरान शुरू किया गया T20 प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए थिंक टैंक और उच्च-स्तरीय विशेषज्ञों को एक साथ लाकर G20 के लिए एक 'विचार बैंक' के रूप में कार्य करता है।

9 अर्बन 20 (U20)

अर्जेंटीना की प्रेसीडेंसी के दौरान 2017 में स्थापित U20, शहर के नेताओं को शहरीकरण, SDG लक्ष्यों और शहरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

10 महिला 20 (W20)

W20 की स्थापना 2015 में तुर्की की अध्यक्षता के दौरान की गई थी, जिसका उद्देश्य G20 चर्चाओं में लैंगिक विचारों को मुख्यधारा में लाना और साथ ही लैंगिक समानता और महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रतिबद्धताओं को तैयार करना है।

11 यूथ 20 (Y20)

Y20, जो पहली बार 2010 में आयोजित किया गया था, युवाओं को G20 प्राथमिकताओं पर अपने दृष्टिकोण और विचारों को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है और उनके सुझावों का एक सेट विकसित करता है, जो G20 नेताओं को प्रस्तुत किया जाता है।

आर. दिनेश

अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)

G20 से मानवता का समग्र लाभ

प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद, क्योंकि मेरे विचार से भारत की अध्यक्षता में इस G20 शिखर सम्मेलन ने जो हासिल किया है, वह अभूतपूर्व है। सबसे पहले और सबसे महत्त्वपूर्ण बात है सबका साथ पर उनका ध्यान और अफ़्रीकी संघ को G20 का हिस्सा बनाना, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। ग्लोबल साउथ की आकांक्षाएँ अच्छी तरह से कवर की जाएँ, यह सुनिश्चित करने के सन्दर्भ में भी इसका उतना ही महत्त्व है। दूसरी अहम उपलब्धि समावेशी दृष्टिकोण के सन्दर्भ में है, जो 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का भी हिस्सा है और सुनिश्चित करती है कि निजी क्षेत्र और उद्योग इस प्रयास में विभिन्न तरीकों से शामिल हों।

मुझे ख़ुशी है कि CII ने B20 में जो भी सिफ़ारिश की थीं, वे G20 घोषणा में उल्लिखित बातों के साथ बहुत अच्छी तरह मेल खाती हैं। पहली सतत विकास के लिए वित्तपोषण के बारे में है, दूसरी इस सन्दर्भ में है कि हमने MSME को शामिल किया है ताकि ग्लोबल साउथ की आकांक्षाएँ उद्योग के नज़रिए से भी कवर की जाएँ। यदि मैं इनमें से प्रत्येक फोकस क्षेत्र को B20 के परिप्रेक्ष्य से देखूँ, तो मुझे लगता है कि G20 ने न केवल उद्योग के लाभ के लिए, बल्कि समग्र रूप से मानवता के लाभ के लिए कार्य किया है।

भारत की G20 अध्यक्षता उपलब्धि का शिखर रही है। प्रत्येक कदम यह सुनिश्चित करते हुए पथ-प्रवर्तक रहा है कि हम पूर्ण सहमति पर पहुँच पाए। हमें प्रधानमंत्री को बधाई देनी होगी और उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' में देश में G20 की यात्रा और 60 स्थानों पर 220 से अधिक बैठकों के तरीके के बारे में बात की। यह एक शानदार कदम था। सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधियों को भारत के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया और उन्हें देश में हुए बुनियादी ढाँचे के विकास को देखने का मौका मिला। इससे पूरा देश शिखर सम्मेलन के नतीज़े के प्रति उत्साहित हो गया। भविष्य में निवेश के दृष्टिकोण से भी इसके लाभकारी परिणाम हुए हैं।

अगर मैं इस वर्ष के लिए CII की थीम को देखूँ, जो सतत विकास के बारे में बात करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हम न केवल उद्योगों के बीच व उद्योग और सरकार के बीच, बल्कि उद्योगों और उसके सभी हितधारकों के बीच भी विश्वास कायम करें। इसलिए 'एक परिवार, एक भविष्य' का G20 का दृष्टिकोण इस बात से बहुत अच्छी तरह मेल खाता है कि हम उद्योग के नज़रिए से इसे कैसे देखते हैं और मुझे लगता है कि यह वास्तव में ऐसे स्पष्ट स्वीकार्य प्रतिमान स्थापित करता है, जिनके तहत भारत, भारतीय कम्पनियों और भारतीय उद्योग; सभी हितधारकों के साथ, न केवल भारत में, बल्कि विश्व के सभी सम्बद्ध देशों के साथ व्यापार करेंगे।

विविधतापूर्ण भारतीय उद्योग आज त्वरित विकास की अपनी आकांक्षाओं और हरित प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन बनाने के लिए तैयार है। ग्लोबल बायोफ्यूल अलाएंस भी एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है, जो विकास के अवसरों का त्याग किए बिना हमारे जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा। इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कोरिडोर (IMEC) एक रोमांचक विकास घटनाक्रम है। इसका लाभ यह है कि सरकारें इसके लिए प्रतिबद्ध हैं और इन सभी देशों के निजी क्षेत्र को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सबसे महत्त्वपूर्ण बिंदु, जो G20 घोषणा का हिस्सा भी है कि हम इस विकास को स्थाई तरीके से वित्तपोषित कर सकें। B20 परिप्रेक्ष्य से हम यह भी देखते हैं कि क्या भारत द्वारा विकसित वर्तमान सीएसआर मॉडल से उत्पन्न होने वाली पूँजी का एक सेतु बनाने का अवसर है, जिससे देश को एक सम्भावित सीड फण्ड बनाया जा सके, जो आगे विकास के अवसरों को आकर्षित कर सके। उद्योग और सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आना होगा ताकि हम इसके लिए वित्तपोषण प्रदान करने में सक्षम हों।

विश्व और आर्थिक मामलों में भारत का कद बदल गया है। अब उसकी बात सब सुनते हैं। युवाओं के लिए भी कई अवसर हैं। देश में उद्यमियों की एक नई पीढ़ी सामने आ रही है और स्टार्टअप्स ने भारत की अर्थव्यवस्था में असाधारण छाप छोड़ी है।

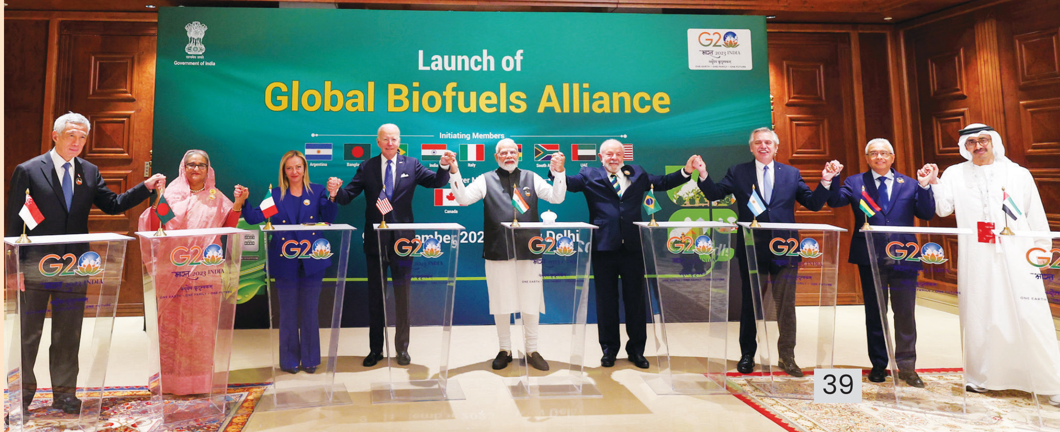

G20 भारत
जन भागीदारी की मिसाल

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 104वें एपिसोड में इस बात को रेखांकित किया कि भारत की G20 प्रेसीडेंसी एक 'पीपुल्स प्रेसीडेंसी' थी, जिसने पूरे देश में जन भागीदारी की भावना देखी। अनोखे आयोजनों में हिस्सा लेने के लिए लाखों लोग एक साथ आए और इस प्रक्रिया में कुछ विश्व रिकॉर्ड भी बने। आइए एक नज़र डालते हैं।

लम्बानी कारीगरों ने बनाया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड

कर्नाटक के हम्पी में तीसरी G20 संस्कृति कार्य समूह (CWG) की बैठक ने 'लम्बानी वस्तुओं के सबसे बड़े प्रदर्शन' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 450 महिला कारीगरों ने कुल 1,755 अद्वितीय लम्बानी एम्ब्रॉइडरी वस्तुओं का एक अद्भुत संग्रह बनाकर अपने शिल्प कौशल का प्रदर्शन किया। इनमें सिलाई, डिज़ाइन, दर्पण कार्य और रंगीन धागों की एक विस्तृत विविधता शामिल थी। यह विश्व रिकॉर्ड भारत की G20 CWG की तीसरी प्राथमिकता — 'सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा' के अनुरूप है और देश की जीवित विरासत और सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण और प्रचार के प्रति भारत की व्यापक प्रतिबद्धता की ओर ध्यान आकर्षित करता है। कर्नाटक में प्रचलित लम्बानी एम्ब्रॉइडरी को ज्योग्राफ़िकल इंडिकेशन (GI) टैग के माध्यम से मान्यता प्राप्त है और संरक्षित किया गया है।

साड़ी वॉकथॉन

भारत की टेक्सटाइल परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने के प्रशंसनीय प्रयास में सूरत में एक साड़ी वॉकथॉन आयोजित किया गया, जिसमें 15 राज्यों की 15,000 महिलाओं ने अपनी पारम्परिक साड़ियाँ पहनकर भाग लिया। 'फिट इंडिया मूवमेंट' के सहयोग से आयोजित इस वॉकथॉन में फिटनेस और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार की साड़ियाँ पहन महिलाओं ने तीन किलोमीटर की दूरी तय की। इसका उद्देश्य वोकल फ़ॉर लोकल की भावना को प्रोत्साहित करके सूरत के समृद्ध कपड़ा उद्योग और इसके कुशल कारीगरों को बढ़ावा देना था। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा, इस आयोजन ने न केवल 'वोकल फ़ॉर लोकल' को बढ़ावा दिया, बल्कि लोकल को ग्लोबल बनने का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

G20 क्विज़ में रिकॉर्ड भागीदारी

वाराणसी ने 'मैक्सिमम पार्टिसिपेंट्स इन अ क्विज़ कॉन्टेस्ट एट मल्टिपल लोकेशंस' के लिए रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज़ कराया है। 13 अप्रैल, 2023 को आयोजित यह रिकॉर्ड-ब्रेकिंग क्विज़ प्रतियोगिता ज़िले भर में 794 विभिन्न स्थानों पर एक साथ आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 1.25 लाख छात्र प्रतिभागी थे। प्रश्नोत्तरी प्रश्न भारत की G20 अध्यक्षता से सम्बन्धित थे और इसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार, वैश्विक अर्थव्यवस्था और सतत् विकास सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए दूरदर्शन टीम ने वाराणसी के ज़िला मजिस्ट्रेट एस. राजलिंगम से बात की।

"वाराणसी में G20 के कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, पर सबसे महत्त्वपूर्ण कम्पोनेन्ट जो था, वो था जन भागीदारी। G20 क्या है, उसका महत्त्व क्या है, भारत की भूमिका विश्व में कैसे बढ़ती जा रही है — इस जानकारी को जन-जन तक और खासकर के बच्चों तक पहुँचाने के लिए हमने एक वृहद् जन सहभागिता कार्ययोजना बनाई। सरकारी और प्राइवेट, सभी स्कूलों को एक प्लेटफ़ॉर्म पर लाया गया। सबसे पहले सभी को G20 पर एक लिटरेचर उपलब्ध करवाया गया, जिसके बाद क्विज़ कॉम्पिटिशन करवाया गया। कॉम्पिटिशन के कई लेवल्स थे, ऑनलाइन और फिर ऑफलाइन और इस प्रतियोगिता में लाखों बच्चों ने भाग लिया। इस माध्यम से विद्यार्थियों के अभिभावकों और बाकी लोगों तक भी G20 से सम्बन्धित जानकारी पहुँची। इतने सारे बच्चों की भागीदारी को एकनॉलेज करते हुए इंडिया रिकार्ड्स अकादमी ने हमें सर्टिफ़िकेट भी दिया। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों का एक साथ आने का यह भी लाभ मिला कि उन्हें एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। अक्सर हम देखते हैं कि अगर कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी नहीं हो तो वो सिर्फ़ सरकारी कार्यक्रम बनकर रह जाते हैं और जनपदवासियों का उससे कोई लेना-देना नहीं रहता, पर G20 का तो एक इम्पोर्टेन्ट कम्पोनेन्ट ही है जन सहभागिता का, और मुझे ख़ुशी है कि सभी ने बहुत उत्साह से क्विज़ कॉम्पिटिशन में भाग लिया। 'मन की बात' में इसका उल्लेख करने के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूँ।"

जे.एस. मुकुल
भारत के पूर्व राजनायिक

भारत की G20 अध्यक्षता एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण

भारत की G20 अध्यक्षता के बारे में दो बातें बहुत अनोखी हैं। पहली यह कि वह 'अतुल्य भारत' को उसकी समस्त गौरवशाली विविधता और विभिन्नता के साथ लोकतंत्र की जननी के रूप में बड़े पैमाने पर दुनिया के लिए प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है। इस दौरान देश भर के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 60 शहरों में 220 से अधिक बैठकें आयोजित की गई हैं। इसके अलावा हमने भारत आए विभिन्न प्रतिनिधियों को अपनी समृद्ध तथा विविध संस्कृति, रीति-रिवाज़ों, परम्पराओं, कला तथा वास्तुकला और व्यंजनों को भी दर्शाया।

प्रतिनिधियों के सामने भारत का प्रदर्शन करना, न केवल फायदेमंद था, बल्कि इससे भारत की समृद्धि भी दुनिया के सामने आई। इससे पर्यटन में वृद्धि का सकारात्मक लाभ भी देखा जा रहा है। मैंने ऐसी रिपोर्ट्स देखी हैं कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन कार्यकारी समूह (टी20) की बैठक के बाद वहाँ विदेशी पर्यटकों का आगमन बढ़ गया है और मुझे यकीन है कि अधिकांश स्थानों के बारे में भी ऐसा ही हुआ है। एक और शानदार बात यह है कि हम G20 को देश के कुछ सुदूर कोनों तक ले जाने में सक्षम हुए।

दूसरी अनूठी उपलब्धि यह है कि हम G20 को समाज के सभी वर्गों तक ले जाने में भी सफल रहे। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि G20 के बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी थी। भारत की अध्यक्षता के बाद मुझे लगता है कि बड़ी संख्या में सभी वर्गों के लोग– युवा, महिलाएँ, विद्यार्थी और आम जनता समझ गए होंगे कि G20 क्या है?

G20 मोटे तौर पर विकसित तथा विकासशील देशों के साथ उभरते बाज़ारों तथा विकासशील देशों (EMDCs) के बीच संतुलन बनाए हुए है। हालाँकि अफ्रीका को लेकर एक बड़ा असंतुलन था। G20 में केवल एक अफ्रीकी देश– दक्षिण अफ्रीका है। भारत ने सबसे पहले इस कमी को दूर करने की कोशिश की। हमारे 8 विशेष अतिथियों या आमंत्रितों में से 3 को अफ्रीका एवं अन्य को नाइजीरिया, मॉरीशस और मिस्र से आमंत्रित किया गया। भारत ने G20 में अफ्रीकी संघ की पूर्ण सदस्यता सुनिश्चित कर इस मुद्दे को सदृढ़ता से रखा है। मुझे लगता है कि भारत की अध्यक्षता की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है और नई दिल्ली शिखर सम्मेलन का एक बड़ा नतीज़ा है। इसके अलावा यह भारत की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' या 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के अनुरूप है। यह ग्लोबल साउथ की हमारी क्रॉस-कटिंग प्राथमिकता के साथ भी शानदार ढंग से मेल खाता है। वास्तव में 1999 में G20 के अस्तित्व में आने के 24 वर्षों के बाद यह इसका पहला विस्तार है और इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है और कुछ ऐसा है, जिस पर हमें गर्व होना चाहिए।

प्रधानमंत्री जब भारत की G20 अध्यक्षता को लोगों की अध्यक्षता के रूप में वर्णित करते हैं तो उनकी यह टिप्पणी बिल्कुल सही लगती है। मैं पहले ही इस बात की ओर एक तरह से संकेत कर चुका हूँ कि हमने कोशिश की है कि समूह की अपनी अध्यक्षता को देश के सभी कोनों और समाज के सभी वर्गों तक ले जाएँ। वित्त और शेरपा ट्रैक के अंतर्गत आधिकारिक ट्रैक के अलावा भी अनेक सहभागिता समूह हैं। S20 या स्टार्टअप 20 भारतीय योगदान है और इनका G20 प्रक्रिया में स्थाई योगदान होगा। मैं स्वयं G20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट इंगेजिंग यंग माइंड्स नामक कार्यक्रम के ज़रिए विद्यार्थियों के साथ आउटरीच से जुड़ा हुआ हूँ। यह कार्यक्रम विकसित देशों के लिए अनुसंधान तथा सूचना प्रणाली और विदेश मंत्रालय द्वारा संचालित है। हम इस कार्यक्रम को देश भर के लगभग 100 विश्वविद्यालयों तक ले गए। इसलिए, जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि यह लोगों की अध्यक्षता है, वास्तव में सही है।

मनोज सिन्हा
उपराज्यपाल, जम्मू और कश्मीर

G20 में जम्मू-कश्मीर आवाम का पूर्ण योगदान

मई में G20 के टूरिज़्म वर्किंग ग्रुप की बैठक, जो श्रीनगर में हुई, मैं मानता हूँ कि एक ऐतिहसिक घटना थी। 27 देशों के 57 प्रतिनिधियों ने उसमें हिस्सा लिया और यह आयोजन सफलता से पूरा हो सका। हमारे प्रशासनिक सहयोगियों ने बढ़-चढ़कर के उसमें सहयोग किया, वहीं जम्मू और कश्मीर की आवाम, एक करोड़ तीस लाख से ज़्यादा नागरिकों ने उस आयोजन को सफ़ल बनाने में अपना पूरा योगदान दिया है। उसकी चर्चा समूचे देश में ही नहीं; बल्कि देश के बाहर भी हो रही है। एक बात प्रत्यक्ष देखने में आ रही है कि इस बैठक के बाद हमारा टूरिस्ट आगमन काफ़ी बढ़ा है और विशेष रूप से विदेशी पर्यटकों का आगमन 59 प्रतिशत बढ़ा है। जम्मू और कश्मीर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के इवेंट आयोजित करने में सफलता ही प्राप्त नहीं की, बल्कि नए कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। आज जम्मू और कश्मीर वैश्विक रूप से जुड़ा हुआ है। मैं इस आयोजन से जुड़े लोगों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। दिल्ली में अभी G20 की महत्त्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का जो सन्देश दिया है, उसे पूरी दुनिया ने सराहा है। मुझे लगता है कोविड के दौरान भारत द्वारा की गई वैक्सीन मैत्री के माध्यम से भारत की ख़्याति पूरी दुनिया में बढ़ी है। दिल्ली का कार्यक्रम सफल रहा और दुनिया से जुड़ी समस्याएँ—जैसे पर्यावरण की चुनौती, आर्थिक विकास, आतंकवाद, इकॉनोमी, इन पर G20 के देश एक सकारात्मक रुख अपना पाए। भारत की एक नई पहचान बनी है और इस बैठक के बाद मुझे लगता है कि एक ग्लोबल सुपर पावर के रूप में भारत अपनी पहचान बना सकेगा। मैं अपनी ओर से और जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ।

मंजीव सिंह पुरी
पूर्व भारतीय राजदूत

G20 का लोकतंत्रीकरण : भारत की विशिष्टता

यह 18वाँ G20 शिखर सम्मेलन है, लेकिन इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि यह आयोजन इस बार की तरह लोकतांत्रिक रहा हो; भारत में एक अरब से अधिक लोगों तक पहुँचा हो और दुनिया को भारत आने, देखने तथा इसके विभिन्न हिस्सों में हुए आयोजनों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया हो। मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि हमने जो किया है, वह गेम चेंजिंग है और मुझे उम्मीद है कि अन्य G20 देश भी इसे इसी तरह से करेंगे। हमने नागरिक समाज हित, युवा, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, महिला, आध्यात्मिकता के क्षेत्रों में अन्य समूह बनाने में भी मदद की। समावेशन, या यूँ कहूँ कि G20 का लोकतंत्रीकरण करना, वास्तव में भारत में इस शिखर सम्मेलन के आयोजन और भारत की अध्यक्षता की विशिष्टता रही है। जब G20 आयोजन टीम ने भारत का G20 लोगो पेश किया तो कुछ लोगों ने कहा कि हमें इसका पेटेंट या ट्रेडमार्क करा लेना चाहिए और केवल अनुमति लेने वालों को ही इसका उपयोग करने की इजाज़त दी जानी चाहिए, लेकिन हमारे सहयोगियों को लोगो देने का निर्णय लिया गया। आज यह लोगों के लिए सहज उपलब्ध है। यही वजह है कि सड़क पर चलने वाले व्यक्ति भी इससे परिचित हैं। लोग खुश हैं कि भारत को विश्व स्तर पर पहचान मिली है और उनके देश को दुनिया में अत्यंत महती स्थान मिला है।

वैश्विक मंच पर भारत की खेल प्रतिभा

"भारत ने इस बार चीन में आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। हमारे खिलाड़ियों ने कुल मिलाकर 26 पदक जीते, जिनमें से 11 स्वर्ण पदक थे। अगर हम 1959 से अब तक हुए इन खेलों में जीते गए सभी पदकों को जोड़ दें तो यह संख्या 18 ही पहुँचती है, जबकि इस बार हमारे खिलाड़ियों ने 26 पदक जीते।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
('मन की बात' सम्बोधन में)

देश ने अनगिनत महान खिलाड़ी दिए हैं और विभिन्न खेलों में सफलता प्राप्त की है। सरकारी पहल के साथ-साथ भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) जैसे संगठनों का समर्थन महत्त्वपूर्ण रहा है। 2023 में बुडापेस्ट, हंगरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप्स में नीरज चोपड़ा ने पुरुष जैवेलिन में भारत के लिए पहली बार गोल्ड मेडल जीता। उसके साथ ही पुरुष 4x400m रिले टीम ने, जिसमें मुहम्मद अनस यहिया, अमोज जेकब, मुहम्मद अजमल और राजेश रमेश थे, एशियाई रिकॉर्ड तोड़ पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया।

भारत की यात्रा वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भी प्रेरणास्पद रही है। यहाँ अभिदन्या पाटिल ने एयर पिस्टल शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रियंका गोस्वामी ने रेस वॉकिंग में रजत पदक जीता। अम्लान बोरगोहैन ने पुरुष 200m इवेंट में अपने सीज़न का बेस्ट टाइम दर्ज किया और प्रगति ने तीरंदाज़ी में भारत के लिए स्वर्ण और रजत जीता। दूसरी ओर, शतरंज की विलक्षण प्रतिभा आर प्रज्ञाननंद ने एफआईडी 2023 वर्ल्ड कप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

FISU वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2023

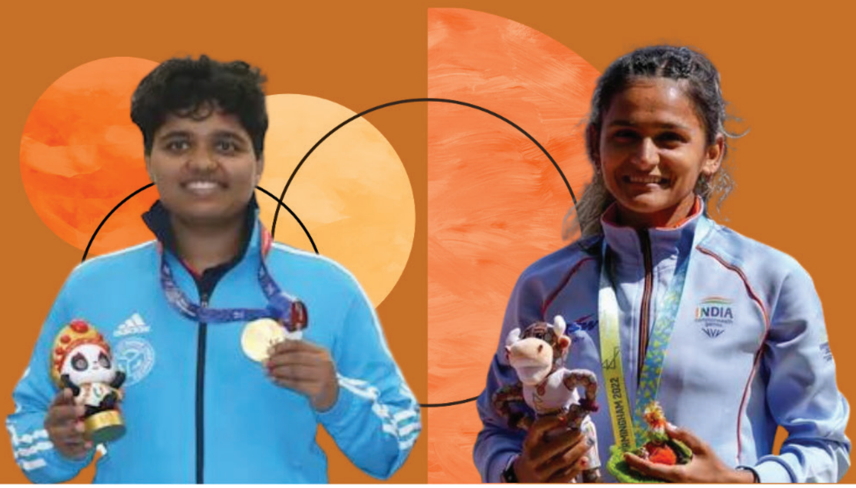

"मुझे बहुत खुशी है कि पीएम सर ने प्रत्येक एथलीट से व्यक्तिगत रूप से बात की और मुझे खेलों में भारत में खेलों के विकास के बारे में इतना अच्छा लग रहा है कि प्रधानमंत्री का ध्यान हम पर जा रहा है। उन्होंने हमें आगे बढ़ने और भारत के लिए और अधिक पदक लाने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया और मुझे उम्मीद है कि मैं आगामी 2024 ओलम्पिक्स में भारत को गौरव दिलाऊँगी। मैं देश के लिए खेलना चाहती हूँ और भारतीय खेल प्राधिकरण एथलीट्स के लिए बहुत कुछ कर रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और टारगेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम जैसी पहलों से एथलीट्स को बड़ा समर्थन मिला है।"

अभिज्ञान पाटिल, एयर पिस्टल स्वर्ण पदक विजेता

"वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए प्रधानमंत्री द्वारा प्रोत्साहित किया जाना अच्छा लगा, क्योंकि लोग ओलम्पिक्स, राष्ट्रमंडल, एशियाई खेलों के बारे में जानते हैं, लेकिन यूनिवर्सिटी गेम्स के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। हमें अपने परिवार के साथ-साथ खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारत सरकार से भी सहयोग मिल रहा है। मैं प्रोत्साहन के लिए सभी को धन्यवाद देती हूँ। खेलों के प्रति माहौल बदल गया है, क्योंकि इस बार यूनिवर्सिटी गेम्स की पदक तालिका सबसे ज़्यादा है और हमारे जाने से पहले यूनिवर्सिटी गेम्स की इतनी मान्यता नहीं थी, जितनी अब मिल रही है।"

प्रियंका गोस्वामी, रेस वॉक रजत पदक विजेता

"मैं प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करके रोमांचित था। उनके प्रेरक शब्द और एथलीट्स के साथ उनकी व्यक्तिगत बातचीत वास्तव में प्रेरक है। उन्होंने हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए बहुमूल्य सुझाव साझा किए। मैं इस समय पुणे स्थित राष्ट्रीय शिविर में हूँ, विशेष रूप से आर्मी स्कूल इंस्टीट्यूट में। यहाँ हम एथलीट्स को अपने प्रशिक्षण से सम्बन्धित किसी भी चीज़ के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यह केंद्रीकृत सहायता प्रणाली हमें केवल अपने अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देती है। हमारे देश के एथलीट्स को प्रोत्साहित करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता उल्लेखनीय है।"

अम्लान बोरगोहेन, स्प्रिंटिंग कांस्य पदक विजेता

"मई, 2020 में मैं गम्भीर रूप से बीमार पड़ गई थी और मुझे भारत सरकार और खेलो इंडिया से अविश्वसनीय समर्थन मिला। मेरे प्रशिक्षकों ने मुझे ठीक होने और अपनी ताकत दोबारा हासिल करने के लिए प्रेरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रशिक्षकों, एसएआई, खेलो इंडिया और अपने माता-पिता को देती हूँ, जिन्होंने मेरा समर्थन किया। खेलो इंडिया ने मेरी यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मैंने कई खेलो इंडिया गेम्स में भाग लिया है, यहाँ तक कि पुणे में चौथे स्थान पर भी रही हूँ। इस उपलब्धि से मुझे बांग्लादेश में आईएसएसएफ टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा का मौका मिला।"

प्रगति, तीरंदाज़ी स्वर्ण पदक विजेता

4X400 मीटर पुरुष रिले टीम का विक्ट्री लैप

भारत ने 2023 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप्स में इतिहास रचा, जहाँ पुरुषों की 4x400 मीटर रिले टीम हंगरी के बुडापेस्ट में 5वें स्थान पर रही।

"पहली बार भारत फाइनल में पहुँचा और पाँचवें स्थान पर रहा। SAI, AFI और सरकार के समर्थन ने हमारे प्रदर्शन को सक्षम बनाया है। अब हमारा लक्ष्य ओलम्पिक पदक का है।"

-राजेश रमेश

"मैं केंद्र सरकार के तहत SAI - LNCPE में प्रशिक्षण ले रहा हूँ। सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए पहल कर रही है। साल दर साल केंद्र सरकार और SAI एथलीटों का समर्थन कर रहे हैं।

-मुहम्मद अनस याहिया

"भारतीय किसी भी टीम से कमतर नहीं हैं, हम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं, हमारे पास आत्मविश्वास है और अब दुनिया में पाँचवें स्थान पर हैं। हम एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य बना रहे हैं।"

-मुहम्मद अजमल

"जब मैंने खेलना शुरू किया, तो मेरा लक्ष्य भारत का प्रतिनिधित्व करना था। हमारे प्रशिक्षकों और सरकार के समर्थन से हमें खेल पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली है।"

-अमोज जेकब

प्रज्ञाननंद की चमकती शतरंज प्रतिभा

एक और बड़ी उपलब्धि 18 वर्षीय शतरंज के प्रतिभावान आर. प्रज्ञाननंद की थी, जिनके अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) विश्व कप में शानदार प्रदर्शन ने उन्हें शतरंज विश्व कप फाइनल में पहुँचने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बना दिया। वह शतरंज विश्व कप इतिहास में विश्वनाथन आनंद के बाद फाइनल में पहुँचने वाले दूसरे भारतीय भी बन गए हैं।

रमेशबाबू प्रज्ञाननंद ने प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और उनके प्रोत्साहन भरे शब्दों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

"मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि मेरा नाम 'मन की बात' में लिया गया है और मुझे लगता है कि इस तरह बहुत से लोग शतरंज को पहचानेंगे और मैं हमारे प्रधानमंत्री का आभारी हूँ। हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई। मुझे अपने शतरंज प्रशिक्षण और टूर्नामेंट के सम्बन्ध में उनके साथ विभिन्न चीज़ों पर चर्चा करने में बहुत मज़ा आया। युवा शतरंज खिलाड़ियों को मैं सलाह दूँगा कि बिना किसी डर के खेलें, जो कि बहुत महत्त्वपूर्ण है।"

भाषाई विविधता

भारतीय संस्कृति की जड़ें

> भाषा वह पुल है, जो हमें हमारे अतीत से जोड़ती है, हमारी संस्कृति और विरासत को आकार देती है। विश्व संस्कृत दिवस और तेलुगु दिवस पर, हम संस्कृत और तेलुगु जैसी भाषाओं में निहित कालातीत ज्ञान का जश्न मनाते हैं। जिस तरह संस्कृत प्राचीन ज्ञान को संरक्षित करती है, उसी तरह तेलुगु ख़ज़ाने को रखती है। आइए हम अपनी भाषाई विरासत को गर्व और एकता के साथ अपनाएँ।
>
> -प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ('मन की बात' सम्बोधन में)

भारत की भाषाई विविधता 19,000 से अधिक भाषाओं और 1,369 मान्यता प्राप्त मातृभाषाओं का दावा करते हुए, इसकी समृद्ध संस्कृति और इतिहास को दर्शाती है। यह विविधता प्रत्येक भाषा से जुड़े अद्वितीय साहित्य, कला, संगीत और परम्पराओं को संरक्षित करते हुए समावेशिता और सांस्कृतिक बहुलवाद को बढ़ावा देती है। संस्कृत और तेलुगु जैसी भाषाओं ने भारतीय संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है। यह भाषाई बहुमुखी प्रतिभा सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार और कूटनीति को बढ़ाती है, जिससे भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' के 104वें सम्बोधन में विश्व संस्कृत दिवस और तेलुगु भाषा दिवस का उल्लेख करते हुए इस के भाषाई महत्त्व पर प्रकाश डाला।

संस्कृत

प्राचीन भारत का भाषाई खजाना

हज़ारों वर्षों से संस्कृत ने भारतीय सभ्यता के प्राचीन ज्ञान को संरक्षित रखा है। सहस्राब्दियों से फैली संस्कृत, भारत के प्राचीन ज्ञान और विरासत की रक्षा करती है। इसका संरक्षण भाषा से बढ़ कर है; यह भारत के इतिहास और सांस्कृतिक सम्पदा की सुरक्षा करता है और पीढ़ियों तक पहुँच सुनिश्चित करता है। इसलिए इस प्राचीन भाषा को बढ़ावा देना और संरक्षित करना भारत के समग्र विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। सरकार ने पहली बार 1969 में श्रावण पूर्णिमा (पूर्णिमा दिवस) पर मनाए जाने वाले विश्व संस्कृत दिवस की शुरुआत की। 2023 में विश्व संस्कृत दिवस 31 अगस्त, 2023 को मनाया गया।

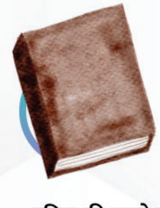

दुनिया की सबसे पहली किताब ऋग्वेद को संस्कृत में संकलित किया गया था

कर्नाटक के शिवमोग्गा ज़िले का एक गाँव मत्तूर (या मथुर) भारत के संस्कृतभाषी गाँव के रूप में जाना जाता है

सुधर्मा- दुनिया के एकमात्र संस्कृत समाचार पत्र ने 2020 में पाँच दशक पूरे किए

राष्ट्रपति का सम्मान प्रमाणपत्र संस्कृत सहित भारतीय भाषाओं के संरक्षण और प्रचार-प्रसार करने वाले युवा विद्वानों को प्रदान किया जाता है

तेलुगु

शास्त्रीय जड़ों से आधुनिक अनुनाद तक

तेलुगु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की मूल द्रविड़ भाषा है और इसे इन राज्यों में आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। साथ ही, इसे भारत की शास्त्रीय भाषाओं में से एक के रूप में भी नामित किया गया है। सदियों से चली आ रही साहित्यिक विरासत के साथ तेलुगु ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है, जिससे दुनिया भर में समर्पित विश्वविद्यालय विभागों की स्थापना हुई है। समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं में निहित, तेलुगु का लोक साहित्य और प्रदर्शन कलाएँ क्षेत्र के इतिहास में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। तेलुगु भाषा और संस्कृति लगातार फल-फूल रही है, रचनात्मकता के स्रोत के रूप में काम कर रही है और भारत के विविध सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध कर रही है। तेलुगु भाषा दिवस हर साल 29 अगस्त को मनाया जाता है, जो प्रसिद्ध तेलुगु कवि, लेखक और भाषाविद् श्री गिदुगु वेंकट राममूर्ति की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

- लगभग 8.11 करोड़ देशी वक्ताओं के साथ तेलुगु भारत में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है (2011 की जनगणना के अनुसार)
- भारत सरकार ने तेलुगु सहित क्षेत्रीय भाषाओं में मेडिकल और इंजीनियरिंग शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की है
- भारत सरकार ने जनवरी, 2024 से शुरू होने वाली कई SSC परीक्षाओं को तेलुगु सहित 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने के लिए अधिकृत किया है
- 2008 में भारत सरकार ने तेलुगु को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी
- 'राजशेखर चरित्रमु' पहली किताब है, जो तेलुगु में छपी थी

संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन

"योग, आयुर्वेद और दर्शन जैसे विषयों पर शोध करने वाले लोग अब अधिक से अधिक संस्कृत सीख रहे हैं। कई संस्थान भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, जैसे कि संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन योग के लिए संस्कृत, आयुर्वेद के लिए संस्कृत और बौद्ध धर्म के लिए संस्कृत जैसे कई पाठ्यक्रम चलाता है।"

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ('मन की बात' सम्बोधन में)

संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन (SPF) एक गतिशील संगठन है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा में गहराई से बुनी गई भाषा संस्कृत को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध है। SPF संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर काम करता है। भारत के उत्थान और सांस्कृतिक संरक्षण में संस्कृत के ऐतिहासिक महत्त्व को पहचानते हुए, SPF सभी पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुलभ पाठ्यक्रम प्रदान करता है। उनका अनूठा 'विशिष्ट प्रयोजन के लिए संस्कृत' कार्यक्रम पेशेवरों को ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनकी रुचि के आधार पर संस्कृत के बारे में और जानने में सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त SPF प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ते हुए, संस्कृत साहित्य में छिपे रत्नों को उजागर करने के लिए महत्त्वपूर्ण शोध करता है।

संस्कृत पर 26 से अधिक अद्वितीय पाठ्यक्रम प्रदान करता है

कक्षा 1-10वीं की गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की NCERT पाठ्यपुस्तकों का संस्कृत में अनुवाद

संस्कृत ट्यूटोरियल के माध्यम से 20,000 से अधिक छात्रों को सुविधा प्रदान करना

भारत के बाहर संस्कृत सीखने वालों के लिए एक ई-लर्निंग मंच प्रदान करना

4 दूरस्थ गाँवों को जीवंत संस्कृत ग्राम में बदला

दुनिया भर के 26 देशों में 4,500 केंद्रों के माध्यम से संस्कृत का प्रचार-प्रसार

2011 में पहला विश्व संस्कृत पुस्तक मेला @बैंगलोर में और 2013 में साहित्योत्सव का @उज्जैन में आयोजन किया

1.2 लाख सम्भाषण शिविर के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक लोगों को संस्कृत में प्रशिक्षित किया और 1,35,000 से अधिक शिक्षकों को संस्कृत सिखाने के लिए प्रशिक्षित किया

संस्कृत भारती

"भारत का बहुत सारा प्राचीन ज्ञान हज़ारों वर्षों से संस्कृत भाषा में संरक्षित है और 'संस्कृत भारती' जैसे संगठन लोगों को संस्कृत सिखाने के लिए अभियान चलाते हैं, जिससे इस मूल्यवान विरासत की निरंतर पहुँच और प्रसार सुनिश्चित होता है।"

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ('मन की बात' सम्बोधन में)

1981 में स्थापित संस्कृत भारती एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो संस्कृत भाषा, इसके समृद्ध साहित्य, परम्पराओं और ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण, प्रचार और साझा करने के लिए समर्पित है। संगठन जाति, लिंग, धर्म या उम्र की परवाह किए बिना संस्कृत को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने और इसकी व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संस्कृत भारती राज्य की राजधानियों, ज़िला मुख्यालयों और ज़मीनी स्तर तक अपनी पहुँच बढ़ा रही है। वे संस्कृत ज्ञान के विश्वव्यापी प्रसार को सुविधाजनक बनाने के लिए वैश्विक संस्कृत संस्थानों के साथ सहयोग करते हैं।

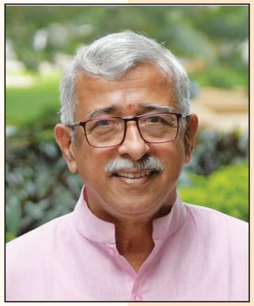

चमू कृष्ण शास्त्री
पद्मश्री और संस्कृत भारती के सह संस्थापक

संस्कृत के माध्यम से सांस्कृतिक संरक्षण और ज्ञान सम्वर्धन

हाल ही में 31 अगस्त, 2023 को दुनिया ने विश्व संस्कृत दिवस मनाया। 'मन की बात' के सम्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संस्कृत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे 'संस्कृत भारती' संगठन के विभिन्न अभियानों और प्रयासों की चर्चा की। हमारी दूरदर्शन टीम ने संस्कृत भाषा के महत्त्व और समाज में इसके योगदान के बारे में जानने के लिए 'संस्कृत भारती' के सह-संस्थापक चमू कृष्ण शास्त्री से बात की।

संस्कृत भाषा, वाकई भारत की एक महत्त्वपूर्ण भाषा है। भारत की स्वतंत्रता के बाद इस भाषा का महत्त्व और बढ़ गया है। सभी भारतीय भाषाओं में, विशेषकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में नए शब्दों के प्रयोग के लिए संस्कृत का उपयोग किया गया है। काफ़ी संस्कृत शब्द पहले भी भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त होते थे और आज भी प्रयुक्त होते हैं। जब भारतीय भाषाएँ समान शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करती हैं, तो लोगों के लिए एक-दूसरे को समझना आसान हो जाता है। कई भारतीय भाषाओं की ध्वनि और वाक्य संरचना भी संस्कृत के समान है। इसलिए यदि भारतीय भाषाएँ संस्कृत शब्दों का उपयोग करें, तो उनका और विकास हो सकता है और साथ ही उनको बेहतर बनाया जा सकता है।

शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय ज्ञान परम्परा विभाग (इंडियन नॉलेज सिस्टम्स – IKS) नामक एक विशेष विभाग बनाया है, जिसे भारतीय ज्ञान प्रणाली भी कहा जाता है। उन्होंने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति (NEP-2020) बनाई है, जो कहती है कि सभी स्कूली विषयों और उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्पराओं के बारे में पाठ शामिल होने चाहिए। इस कार्य की ज़िम्मेदारी IKS विभाग की है। IKS विभाग के अंतर्गत देश के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधान केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं और अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान दिया जा रहा है। अभी लोग भारतीय ज्ञान को अन्य भाषाओं में पढ़ रहे हैं, लेकिन इसे संस्कृत में पढ़ना बेहतर है, क्योंकि वह मूल भाषा है। IKS विभाग का ध्यान शोध करने और उस शोध को विषय में उपयोग करने पर है।

युवाओं को ध्यान में रखते हुए ये बताना चाहूँगा कि यदि आप Google पर भारतीय ज्ञान प्रणाली खोजते हैं, तो आप AICTE नामक वेबसाइट पर अधिक जानकारी पा सकते हैं। आज के इस तकनीकी विश्व में ऐसे कई उपकरण उपलब्ध हैं, जो विभिन्न भाषाओं का अनुवाद करने में मदद कर सकते हैं। ये उपकरण पाठ, भाषण और यहाँ तक कि बातचीत का भी अनुवाद कर सकते हैं। इनमें से कुछ उपकरण AICTE और IIT मुम्बई जैसे संगठनों द्वारा विकसित किए गए हैं। वर्तमान में अनुवाद करते समय, अंग्रेज़ी का उपयोग अक्सर मध्यवर्ती भाषा के रूप में किया जाता है। यह संस्कृत विद्वानों के लिए अनुवाद प्रक्रिया में संस्कृत को मध्यवर्ती भाषा के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर है। संस्कृत को एक माध्यम के रूप में उपयोग करके अनुवादक अनुवाद की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं, जिससे भविष्य में संस्कृत जानने वाले लोगों के लिए नौकरी के बहुत सारे अवसर होंगे।

मैं आपसे दो महत्त्वपूर्ण संदेश साझा करना चाहता हूँ– सबसे पहले, संस्कृत विद्वानों को अपने रोज़मर्रा के जीवन में, जैसे घर पर, काम पर और दूसरों के साथ बातचीत करते समय संस्कृत भाषा का उपयोग करना चाहिए। संस्कृत हमारे जीवन के सभी पहलुओं का हिस्सा होनी चाहिए, जैसे व्यवसाय और सामाजिक स्थितियों में, लेकिन यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि हमें सरल संस्कृत का उपयोग करना चाहिए, जो हर किसी के लिए समझने में आसान हो, न कि जटिल संस्कृत, जिसका उपयोग विशेषज्ञ करते हैं। इससे आम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को काव्यात्मक और शास्त्रीय संस्कृत से जोड़ने में मदद मिलेगी। दूसरा, हमें संस्कृत से प्रेम करने वाले लोगों के रूप में स्वयं कार्रवाई करने की आवश्यकता है। हम संस्कृत के लिए सबकुछ करने के लिए Google या माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कम्पनियों या सरकार पर निर्भर नहीं रह सकते। इसके बजाय हमें अलग-अलग क्षेत्रों में अपने प्रयास करने की ज़रूरत है। हमें संस्कृत के बारे में लोगों की सोच को भी बदलने की ज़रूरत है। संस्थानों के लिए केवल अपनी सीमाओं के भीतर काम करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें समाज में जाकर संस्कृत को सबके साथ साझा करने की ज़रूरत है, तभी संस्कृत का समृद्ध ज्ञान सभी के लिए सुलभ हो सकेगा।

अतुल्य भारत

एक अद्वितीय टेपेस्ट्री

"मैं अक्सर आप सभी से ये आग्रह करता हूँ कि जब मौका मिले, हमें अपने देश की ब्यूटी और डाइवर्सिटी ज़रूर देखने जाना चाहिए। अक्सर हम भले ही दुनिया का कोना-कोना छान लें, लेकिन अपने ही शहर या राज्य की कई बेहतरीन जगहों और चीज़ों से अनजान होते हैं।"

— प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ('मन की बात' सम्बोधन में)

भारत की सभ्यता अनुभवों की विविध शृंखला प्रस्तुत करती है। अपनी समृद्ध विरासत और असंख्य आकर्षणों के साथ, यह एक शीर्ष वैश्विक पर्यटन स्थल है। यह व्यंजन, धर्म, कला, शिल्प, संगीत, प्राकृतिक अजूबों, जातीय समुदायों और इतिहास सहित असंख्य अनुभवों के साथ यात्रियों का स्वागत करता है।

लेकिन कई बार ऐसा होता है कि लोगों को अपने ही शहर की ऐतिहासिक जगहों के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं होती। 104वीं 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने धनपाल और ब्रायन डी. खारप्रान की प्रेरक कहानियाँ साझा कीं, जो अज्ञात विरासत स्थलों कि बारे में जागरूक कर रहे हैं।

भारत पर्यटन सांख्यिकी

(वर्ष 2022 के लिए)

भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या - 6.19 मिलियन

सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में घरेलू पर्यटकों की संख्या - 1731.01 मिलियन

पर्यटन से अनुमानित विदेशी मुद्रा आय 134543 करोड़ रु.

"1990 के दशक से मैं मेघालय में असाधारण गुफ़ा अन्वेषण यात्रा का हिस्सा रहा हूँ। हमारी टीम, मेघालय एडवेंचर्स एसोसिएशन ने 1,700 गुफ़ाओं की खोज की है, जिनमें से कुछ भारत की सबसे लम्बी और गहरी हैं, जिनमें 31 किमी की गुफ़ा और 25.3 किमी की दुनिया की सबसे लम्बी बलुआ पत्थर की गुफ़ा भी शामिल हैं। हमने 537 किमी के गुफ़ा मार्गों का मानचित्रण किया है।

हमारी यात्रा सीमित उपकरणों और विशेषज्ञता के साथ शुरू हुई, लेकिन उसी समय ब्रिटिश केवर्स मेघालय पहुँचे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देते हुए हमने ज्ञान साझा किया, संयुक्त अभियानों का आयोजन किया और 1995 से एबोड ऑफ़ द क्लाउड्स प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में अंतरराष्ट्रीय गुफ़ा अभियानों का संचालन किया, अपने ब्रिटिश दोस्तों की सहायता करते हुए विशेषज्ञता और उपकरणों से लाभ उठाया।

इसमें कई क्षेत्रों के जुड़ने की सम्भावना है, जिससे एक विशाल गुफ़ा प्रणाली का निर्माण होगा। प्रत्येक अभियान में 20 से 30 नई गुफ़ाएँ सामने आती हैं। मेघालय में गुफ़ा अन्वेषण, वैज्ञानिक खोज और छिपी हुई भूमिगत दुनिया के प्रति गहरी सराहना की एक सतत् यात्रा जारी है।"

ब्रायन डी खारप्रान, मेघालय

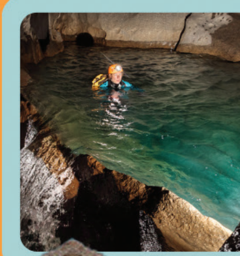

एक ड्राइवर से पुरालेखविद् और इतिहासकार बनने की यात्रा

"मैं 2006 में बैंगलोर ट्रांसपोर्ट सर्विस में शामिल हुआ और इन 17 सालों तक मैंने बैंगलोर मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित बैंगलोर दर्शनी टूर्स के लिए ड्राइवर और गाइड के रूप में काम किया। हमारी समर्पित बस 'बैंगलोर दर्शनी' में मेरा काम बेंगलुरु के समृद्ध इतिहास को साझा करना और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को शिलालेखों के बारे में समझाना था।

यात्राओं के दौरान यात्री अक्सर बेंगलुरु की सड़कों के दिलचस्प नामों के बारे में पूछते थे, जिनमें से कई में छिपे हुए इतिहास थे, जो मुख्य रूप से इतिहासकारों और शिलालेख उत्साही लोगों को ज्ञात होते हैं। एक यात्री 'सेंकी टैंक' के बारे में पूछताछ कर रहा था। हालाँकि शुरू में मेरे पास इसका उत्तर नहीं था, लेकिन बाद के शोध से पता चला कि इसका नाम मैसूर सरकार के एक मुख्य अभियंता के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने एक झील का निर्माण किया था। इस घटना ने और अधिक ऐतिहासिक रहस्यों को उजागर करने के मेरे जुनून को बढ़ा दिया। बेंगलुरु के इतिहास को जानने और समझने के लिए मैंने पुरालेख विज्ञान में डिप्लोमा किया और प्रत्येक स्थान के इतिहास को गहराई से देखा। तीन महीने पहले सेवानिवृत्ति के बाद मैं शिलालेखों के महत्त्व को व्यापक दर्शकों के साथ साझा करने के लिए समर्पित हूँ। मुझे प्रतिष्ठित इतिहासकारों से सीखने का सौभाग्य मिला है, जिनमें कर्नाटक इतिहास अकादमी के अध्यक्ष डॉ. देवराकोंडा रेड्डी भी शामिल हैं।

शिलालेखों को डिकोड करने के लिए मैं ब्रिटिश इतिहासकार, पुरातत्वविद् और शिक्षाविद् बी.एल. राइस के विभिन्न कार्यों का उल्लेख करता हूँ, जो उनके अनुवाद और समझ में सहायता करते हैं। मेरे गुरु, नरसिम्हा साहब के साथ हमने 100-120 शिलालेखों की खोज करते हुए कई साइटों की खोज की है। हमारा अंतिम लक्ष्य इन स्थानों पर सूचनात्मक बोर्ड लगाना है, जिससे यह ऐतिहासिक ख़ज़ाना गाँवों, मन्दिरों और स्कूलों सहित सभी के लिए सुलभ हो सके।"

धनपाल, बेंगलुरु

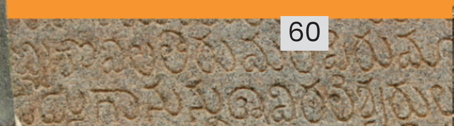

अपने शहर के छिपे हुए रत्नों को खोजें और प्रचारित करें

अपने **शहर की पैदल यात्राएँ** आयोजित करें। ये यात्राएँ ऐतिहासिक स्थलों, सड़क, कला या भोजन पर केंद्रित हो सकती हैं।

किसी असामान्य और अद्वितीय स्थान पर परिवार, रिश्तेदारों या दोस्तों के साथ **पिकनिक का आयोजन** करें। स्थान के बारे में अधिक जानें, इसकी कम ज्ञात कहानियों पर चर्चा करें।

प्रतिभाशाली स्थानीय **कारीगरों और शिल्पकारों की तलाश** करें, उनसे कार्यशालाओं की पेशकश करें और उन्हें बढ़ावा दें।

शहर के कम-ज्ञात क्षेत्रों में **सामुदायिक कार्यक्रम** आयोजित करें। इसमें कला प्रदर्शनियाँ, सांस्कृतिक उत्सव या संगीत प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं।

अपने शहर के इतिहास के बारे में जानें और कम ज्ञात कहानियाँ साझा करें। **ऐतिहासिक स्थानों** का दौरा करें।

फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिताएँ आयोजित करें, जो शहर के अनदेखे क्षेत्रों पर केंद्रित हों।

आस-पास के छिपे हुए रत्नों को उजागर करने के लिए **वेबसाइट बनाएँ या सोशल मीडिया** पर इनकी जानकारी दें। विशिष्ट लेख, वीडियो, पॉडकास्ट साझा करें और सामुदायिक योगदान को प्रोत्साहित करें।

कम खोजी गई साइटों की तस्वीरें साझा करें और दूसरों को **भाग लेने के लिए प्रेरित करें,** साथ ही दूसरे शहरों में रह रहे जानकारों को अपने क्षेत्र की अज्ञात सुंदरता दिखाने के लिए प्रोत्साहित करें।

#KnowYourCityKnowYourIndia हैशटैग का उपयोग करके एक सोशल मीडिया अभियान शुरू करें। औरों को अपनी खोजों को साझा करने के लिए आमंत्रित करें।

प्रगति और प्रकृति का संतुलन

भारत में सतत् डेयरी प्रथाएँ

डेयरी क्षेत्र का महत्त्व महज़ आर्थिक आँकड़ों से कहीं अधिक है, क्योंकि यह अनगिनत महिलाओं के जीवन में गहन परिवर्तनों के लिए उत्प्रेरक रहा है। इस क्षेत्र ने भारत भर में माताओं और बहनों को सशक्त बनाया है; उन्हें न केवल आजीविका का स्रोत प्रदान किया है, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक उन्नति का अवसर भी प्रदान किया है। डेयरी फ़ार्मिंग में सस्टेनेबल प्रथाएँ उद्योग और पृथ्वी, दोनों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी हैं। ये प्रथाएँ न केवल डेयरी मवेशियों की भलाई को प्राथमिकता देती हैं, बल्कि संसाधनों की खपत और अपशिष्ट को कम करने तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने का भी प्रयास करती हैं।

वाराणसी दुग्ध संघ का सतत् खाद प्रबंधन

खाद प्रबंधन में मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए जैविक कचरे का कुशल संग्रह, उपचार और उपयोग शामिल हैं। खाद, बायोगैस उत्पादन और वर्मी कम्पोस्टिंग जैसी विधियों को अपनाकर भारत का कृषि क्षेत्र चक्रीय अर्थव्यवस्था सिद्धांतों को बढ़ावा देता है, अपशिष्ट को कम करता है, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है और सस्टेनेबल और लचीली खाद्य उत्पादन प्रणालियों में योगदान देता है। वाराणसी दुग्ध संघ प्रभावी खाद प्रबंधन के माध्यम से डेयरी किसानों की आय बढ़ाने, सस्टेनेबल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देते हुए कचरे को धन में बदलने के लिए समर्पित है।

मालाबार मिल्क यूनियन की आयुर्वेदिक पशु चिकित्सा

पशुओं के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा प्राचीन ज्ञान को आधुनिक खेती के साथ जोड़ती है। यह पशुधन की भलाई, पाचन, प्रतिरक्षा और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए समग्र भारतीय प्रणाली से प्राकृतिक उपचारों का उपयोग करती है। सिंथेटिक एंटीबायोटिक्स और रसायनों को कम करके यह पशु कल्याण और सस्टेनिबिलिटी को बढ़ावा देती है। यह पर्यावरण-अनुकूल खेती के अनुरूप है, जो एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों का उत्पादन सुनिश्चित करती है। मालाबार मिल्क यूनियन डेयरी प्राकृतिक उपचारों का उपयोग कर रही है, सिंथेटिक दवाओं और एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भरता कम कर रही है, पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर रही है और समग्र पशु स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

"रोग प्रबंधन डेयरी किसानों के सामने एक प्रमुख मुद्दा है। इस समस्या से लड़ने के लिए हमने एनडीडीबी के साथ मिलकर एक आयुर्वेद दवा विकसित की है। हमने एथनोवेटरनरी मेडिसिन को विकसित किया और लोकप्रिय बनाया। यह एक उपयोग के लिए तैयार दवा है, जिसका व्यावसायिक उत्पादन किया जा रहा है और विभिन्न राज्यों में वितरित किया जा रहा है। यह आयुर्वेदिक दवा मवेशियों में गाँठदार त्वचा रोग जैसी बीमारियों से निपटेगी।"

— के.एस. मणि, अध्यक्ष, मालाबार क्षेत्रीय सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ

बनास डेयरी द्वारा सीडबॉल वृक्षारोपण अभियान

सीडबॉल वृक्षारोपण पर्यावरण को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने का एक अभिनव और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण है। पेड़ के बीजों को पोषक तत्वों से भरपूर गेंदों में समाहित करके ये हरित पहल स्थाई वनीकरण को बढ़ावा देती है, वनों की कटाई का मुकाबला करती है और भारत के जैव विविधता संरक्षण प्रयासों में योगदान देती है। बनास डेयरी की सीडबॉल ट्री प्लांटिंग पहल पर्यावरण प्रबंधन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। इस अभिनव परियोजना के माध्यम से वे विभिन्न क्षेत्रों में सीडबॉल वितरित करके सस्टेनिबिलिटी के बीज बोते हैं। गुजरात के बनास डेयरी के अध्यक्ष शंकर चौधरी ने इस पहल के बारे में बातचीत की कि किस तरह यह एक स्थाई पर्यावरणीय अभ्यास है।

"यदि प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में देश के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के कार्यों पर ध्यान दिया जाता है और उसकी सराहना की जाती है तो यह लाखों किसानों के लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री ने हमें टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया। दूध की खरीद सहित हमारा पूरा काम ई-डेयरी अवधारणा के माध्यम से किया जाता है और इससे हमें करोड़ों रुपये की बचत हुई है, जिसे हम पशुपालकों को देते हैं। दूध के अलावा गाय का गोबर भी किसानों और पशुपालकों के लिए अधिक आय उत्पन्न कर सकता है। हमने उनका मूल्यवर्धन किया और आज हम भाग्यशाली हैं कि इससे पशुपालकों की आय में इज़ाफ़ा होता है। आज हमारे वाहन भी गाय के गोबर से तैयार गैस को शुद्ध कर सीएनजी से चल रहे हैं।"

-शंकर चौधरी, चेयरमैन, बनास डेयरी ऑफ गुजरात

गौ ऑर्गेनिक्स की बायोगैस खेती

बायोगैस के माध्यम से सतत् डेयरी फ़ार्मिंग कृषि में क्रांति ला रही है। यह गाय के गोबर और जैविक कचरे से मीथेन एकत्र करता है, उत्सर्जन पर अंकुश लगाता है और स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति करता है। बायोगैस प्रणालियाँ अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधनों में बदल देती हैं, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती करती हैं और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करते हुए खेतों को बिजली प्रदान करती हैं। पोषक तत्वों से भरपूर डाइजस्टेट पर्यावरण के अनुकूल उर्वरक के रूप में कार्य करता है, मिट्टी की उर्वरता और फसल उत्पादन को बढ़ाता है। कोटा, राजस्थान में गौ ऑर्गेनिक्स पर्यावरण की दिशा में कुशल कदम उठा रहा है और इससे किसानों के लिए आय वृद्धि हुई है।

"हमने 2016 में गौ ऑर्गेनिक्स की स्थापना की। हमारा ध्यान डेयरी उद्योग को अधिक सस्टेनेबल बनाना था। किसानों को बिजली की काफी समस्या होती थी। हमने अपने डेयरी फ़ार्म को सस्टेनेबल बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया और 40 किलोवाट के दो बायोगैस संयंत्र स्थापित किए। इससे किसान आय के लिए केवल दुग्ध व्यवसाय पर ही निर्भर नहीं रह गए हैं। हम गाय के गोबर, वर्मी कम्पोस्ट, वर्मी वॉश और केंचुओं के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करते हैं। बायोगैस से पैदा होने वाली बिजली किसान के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। आज हम डेयरी व्यवसाय को अधिक सस्टेनेबल और लाभदायक बनाने के लिए किसानों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। दूध के अलावा गाय के गोबर, गौमूत्र और उनसे बनने वाली बायोगैस पर भी फोकस होना चाहिए। जैसे-जैसे अधिक शिक्षित किसान इस पूरे अभियान से जुड़ेंगे, कृषि और डेयरी उद्योग में एक अलग पारिस्थितिकी तंत्र और नए व्यवसाय के अवसर खुलेंगे।"

-अमनप्रीत सिंह, सह-संस्थापक, गौ ऑर्गेनिक्स

मन की बात

प्रतिक्रियाएँ

Piyush Goyal @PiyushGoyal

सूरत में हुए 'साड़ी Walkathon' से मिला Vocal For Local और Local Goes Global को बल...

#MannKiBaat

11:53 AM · Aug 27, 2023 · 13.6K Views

Tejasvi Surya @Tejasvi_Surya

In #MannKiBaat today, PM Sri @NarendraModi Ji spoke about Bengaluru's K Dhanapal, an ex-BMTC driver turned historian.

Dhanapal's story has many lessons for us - on hard work, preservation of culture & following one's passion.

Listen in!

11:49 AM · Aug 27, 2023 · 15.7K Views

Babita Phogat @BabitaPhogat

कुछ ही दिनों पहले चीन में world University Games हुए थे। इन खेलों में इस बार भारत की Best Ever Performance रही है। हमारे खिलाड़ियों ने कुल 26 पदक जीते, जिनमें से 11 Gold Medal थे।

#MannKiBaat

Translate post

12:34 PM · Aug 27, 2023 · 2,845 Views

Conrad K Sangma @SangmaConrad

Thank you Hon'ble PM, Sh. @narendramodi for acknowledging the contributions of Mr. Brian Daly Kharpran to speleology. Bah Brian is Meghalaya's first renowned Speleologist and together with his team, the Meghalaya Adventurers' Association are assisting cavers & speleologists from around the world in their research.

> **Narendra Modi** @narendramodi · Aug 27
> During #MannKiBaat, talked about Mr. Brian D. Kharpran Daly, who has done decades of work on discovering and popularising caves in Meghalaya. I also urge you all to travel to Meghalaya and explore the beautiful caves yourself.

6:21 PM · Aug 27, 2023 · 3,398 Views

Meenakashi Lekhi @M_Lekhi

Tuned in to the inspiring words of Hon'ble PM @narendramodi Ji's #MannKiBaat at Sanjay Camp with the residents of my Lok Sabha constituency this morning.

In this month's Mann Ki Baat, PM appreciated the countrymen for their efforts towards the Har Ghar Tiranga Campaign and spoke about how India's G20 Presidency is celebrating our diversity and has become a People's Presidency.

1:11 PM · Aug 27, 2023 · 3,242 Views

Bhupender Yadav @byadavbjp

India's unparalleled feat at the World University Games...

#MannKiBaat

12:12 PM · Aug 27, 2023 · 5,258 Views

Amitabh Kant @amitabhk87

PM Modi's #MannKiBaat today touched upon the upcoming #G20 Summit. We are proud of how India 🇮🇳 is shaping the global narrative & showcasing India's strength as the voice of the global south. Our emphasis on 'janbhagidari' is making the G20 forum more inclusive.

11:29 AM · Aug 27, 2023 · 7,952 Views

Dr. S. Jaishankar @DrSJaishankar

India's G20 Presidency has been a true example of Jan Bhagidhari.

Do listen to Prime Minister @narendramodi's thoughts on it in the 104th #MannKiBaat.

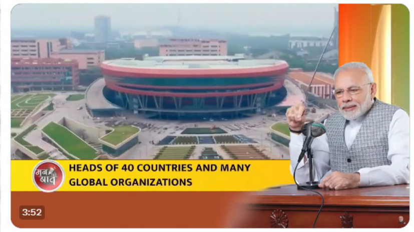

2:00 PM · Aug 27, 2023 · 64.9K Views

National Dairy Development Board @NDDB_Coop

NDDB congratulates Malabar Milk Union for their work on ayurvedic medicines for animals which was highlighted in the #Mannkibaat episode of Hon'ble Prime Minister Shri @narendramodi ji. Ethnoveterinary (Pashu Ayurveda) medicine not only aids affordability to small-holder dairy farmers but also decreases antibiotic use, curbing residues in milk and tackling Antimicrobial Resistance (AMR)—a critical public health concern. The development and usage of Pashu Ayurveda by Malabar Milk Union Dairy reinforces NDDB's efforts that has resulted in the creation of treatments for over 30 bovine ailments. NDDB has been imparting the learning's through training programs in collaboration with departments of AYUSH, DAHD, State AH Departments, Milk Federations, and Unions to generate widespread awareness and adoption.

@PRupala @drsanjeevbalyan @Murugan_MoS @ShahMeenesh @Min_FAHD @MinOfCooperatn @Dept_of_AHD @pibcooperation @PIB_MoFAHD @MilmaOfficial

G Kishan Reddy @kishanreddybjp

With 'Sabka Prayas', the 'Har Ghar Tiranga' campaign became a resounding success.

In actual terms it became 'Har Mann Tiranga' Abhiyan

- PM Shri @narendramodi

#MannKiBaat

2:31 PM · Aug 27, 2023 · 4,962 Views

Anurag Thakur @ianuragthakur

"कुछ ही दिनों पहले चीन में world University Games हुए थे। इन खेलों में इस बार भारत की Best Ever Performance रही है। हमारे खिलाड़ियों ने कुल 26 पदक जीते, जिनमें से 11 Gold Medal थे।

आपको ये जानकर अच्छा लगेगा कि 1959 से लेकर अब तक जितने World University Games हुए हैं, उनमें जीते सभी Medals को जोड़ दें तो भी ये संख्या 18 तक ही पहुंचती है"

प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी

#MannKiBaat

Translate post

12:48 PM · Aug 27, 2023 · 9,302 Views

CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY @CentralSanskrit

माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी ने १०४वें 'मन की बात'में @EduMinOfIndia संस्कृत दिवस की शुभकामना देते कहा-यह खुशी की बात है कि लोगों के बीच संस्कृत को लेकर जागरुकता तथा गर्व की भावना बढ़ी है।आईआईटी व आईआईएम में भी संस्कृत केन्द्र लोकप्रिय हो रहें हैं @rashtrapatibhvn

Translate post

1:42 PM · Aug 27, 2023 · 1,374 Views

Samskrit Promotion Foundation @SamPromotion

मनोगतकार्यक्रमे माननीयद्वारा @narendramodi संस्कृतसंवर्धनप्रतिष्ठानस्य पाठ्यक्रमाणाम् उल्लेखः।

@simhan_kl @ChamuKShastry @dpradhanbjp @EduMinOfIndia @mannkibaat @CentralSanskrit @IKS_Media @MSDESkillIndia @myogiadityanath @ugc_india @ncert @SCERT2021

#samskritweek

1:53 PM · Aug 28, 2023 · 480 Views

V Muraleedharan / വി മുരളീധരൻ
@VMBJP

As mentioned by Honorable Prime Minister in #MannKiBaat, the efforts of Basnas Dairy, Malabar Milk Union Dairy & Varanasi Milk Union towards environmental protection, as well as the inspiring deeds of individuals like Amanpreet Singh Ji, highlight the importance of #JanBhagirari

PMO India @PMOIndia · Aug 27
Know about Amanpreet Singh Ji, who is running a dairy farm in Rajasthan's Kota... #MannKiBaat

12:47 PM · Aug 27, 2023 · 890 Views

Banas Dairy
@banasdairy1969

बनास डेयरी की ईंधन और समय बचाने वाली पहल "ट्रक ऑन ट्रैक" की सराहना माननीय प्रधान मंत्री श्री @narendramodi साहब ने अपने #MannKiBaat कार्यक्रम में की।

बनास डेयरी को विश्व पटल पर ले जाने में प्रधानमंत्री श्री का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहा है।

#TruckOnTrack #MannKiBaat
Translate post

Narendra Modi and 8 others

11:54 AM · Aug 27, 2023 · 5,996 Views

Nitin Gadkari
@nitin_gadkari

भारत की बेटियां अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियां जब इतनी आकांक्षी हो जाएं, तो उसे, उस देश को, विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है : प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी

#MannKiBaat
#Chandrayaan3
#Chandrayaan3Landing

Dharmendra Pradhan
@dpradhanbjp

प्रधानमंत्री @narendramodi जी ने #MannKiBaat में मातृभाषा के माध्यम से संस्कृति, संस्कारों और पुरातन वैभव से जुड़ने पर भी महत्वपूर्ण चर्चा की है।

चाहे संस्कृत जैसी वैज्ञानिक भाषा हो या तेलुगू जैसी भाषा जिसमें हमारी संस्कृति के अनेकों अनमोल रत्न छिपे हैं, हमारी भाषाएँ हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। संस्कृत दिवस और तेलुगू दिवस की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ, मैं भी आप सभी को अपनी भाषाओं पर गर्व करने का आह्वान करता हूँ। पर्व-उल्लास के समय हम #VocalForLocal के लिए भी समर्पित रहें।
Translate post

1:38 PM · Aug 27, 2023 · 2,304 Views

Sarbananda Sonowal
@sarbanandsonwal

Hon'ble PM Shri @narendramodi ji interacted with medal winners of the World University Games in China in today's #MannKiBaat episode. These youth athletes are the rising stars of India and our pride.

Assam lad Amlan Borgohain also shared his thoughts with Modi ji. Do watch.

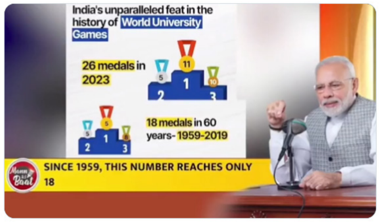

2:32 PM · Aug 27, 2023 · 3,226 Views

atul chaturvedi
@atul1chaturvedi

First Milk processing plant in country is at Varanasi where both thermal and electrical energy requirements being met through Gobar Dhan. This was recently inaugurated by @narendramodi sir @PMOIndia @PRupala @drsanjeevbalyan kudos to @NDDB_Coop @ShahMeenesh

DD News @DDNewslive · Aug 27
Varanasi Milk Union is working on manure management to increase the income of our dairy farmers: PM @narendramodi

#MannKiBaat

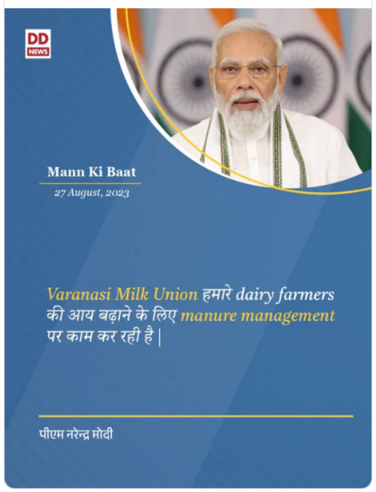

1:23 PM · Aug 27, 2023 · 2,673 Views

Shobha Karandlaje
@ShobhaBJP
Following

Dairy has a profound impact on women.

Indian Railways' Truck-on-Track initiative—slashing time, costs, and pollution—has redefined milk transportation.

Kerala's Malabar Milk Union Dairy pioneers Ayurvedic Medicine for Animal Health.
#MannKiBaat

Smriti Z Irani
@smritiirani

आने वाले रक्षा बंधन एवं अन्य त्योहारों में अपने आस-पास के व्यापारी भाइयों-बहनों से खरीददारी कर उन्हें अपने खुशियों में शामिल करें और #Vocal4Local मुहिम को मज़बूत करें। #MannKiBaat
Translate post

3:29 PM · Aug 27, 2023 · 29.9K Views

Himanta Biswa Sarma
@himantabiswa

Inspiring to see the #G20Presidency embracing the spirit of public participation. Indeed, putting people at the forefront ensures a collective and inclusive approach to global challenges.

A vision shared by Hon PM Shri @narendramodi Ji during #MannKiBaat today.

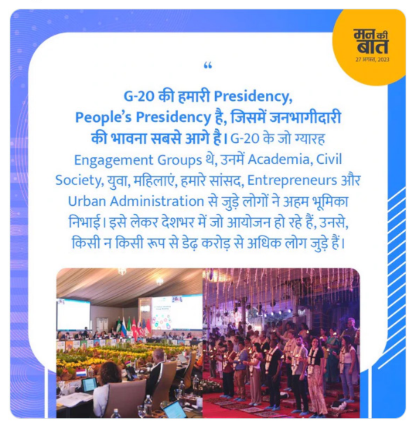

11:50 AM · Aug 27, 2023 · 17.5K Views

Dr Jitendra Singh
@DrJitendraSingh

"भारत का मिशन चंद्रयान, नारीशक्ति का भी जीवंत उदाहरण है | इस पूरे मिशन में अनेकों Women Scientists और Engineers सीधे तौर पर जुड़ी रही हैं |"

- पीएम श्री @narendramodi

#MannKiBaat #Chandrayaan3
Translate post

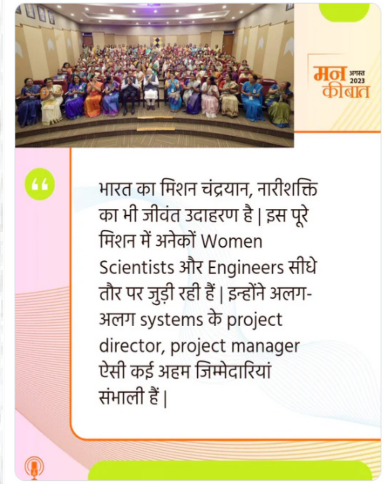

11:05 AM · Aug 27, 2023 · 817 Views

Yogi Adityanath
@myogiadityanath

'विकसित भारत' के विजन और मानव-कल्याण के दृष्टि-पथ @mannkibaat कार्यक्रम में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी ने आज 'मेरी माटी, मेरा देश' के अंतर्गत सितंबर में देश के गांव-गांव में, हर घर से मिट्टी जमा करने के अभियान और अक्टूबर में 'अमृत कलश यात्रा' में सम्मलित होने का आह्वान किया है।

'आजादी के अमृत काल' में देश को एकात्मता के सूत्र में पिरोने की यह पावन यात्रा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव के साथ 140 करोड़ देश वासियों को जोड़ने जा रही है।
Translate post

1:22 PM · Aug 27, 2023 · 90.7K Views

Samskrita Bharati
@samskritbharati

'मन की बात' कार्यक्रमे अद्य मा.प्रधानमन्त्री श्री. नरेन्द्र मोदीवर्यः संस्कृतस्य संस्कृतभारत्याः कार्यस्य च समर्थनं कृतवान्। महोदयस्य भूरिशः अभिनन्दनानि!
.
.
.
.

@PMOIndia @narendramodi #samskrit4all #samskritweek23 #Samskrit #ज्ञानभाषा #Sayyestosanskrit

‘A symbol and spirit of new India’: Modi hails Chandrayaan-3

Saptarshi Das
letters@hindustantimes.com

Narendra Modi

NEW DELHI: The Chandrayaan-3 mission, the country's third lunar project that was successfully launched by the Indian Space Research Organisation (Isro) recently, has become a "symbol and spirit of a New India", which wants to emerge victorious under any circumstances, Prime Minister Narendra Modi said on Sunday.

Modi also said that the mission is a "classic illustration of women power" as several women scientists and engineers were directly linked to it, and that India's daughters are not only shattering glass ceilings but also challenging Space, which is considered "infinite".

The Prime Minister was addressing the 104th edition of his monthly radio broadcast, "Mann ki Baat", when he made the remarks.

"On August 23, our Chandrayaan-3 mission proved to the world that the dawn of revolution and resolve can also light up the dark side of the moon. Mission Chandrayaan has become a symbol and the spirit of a new India. This is an India, which wants to emerge victorious at all costs," he said.

"The success of Chandrayaan-3 has seen the entire country immerse itself in unbridled celebrations. It has been more than three days since our lunar lander, 'Vikram', touched down on the moon's surface. Such is the enormity of the mission's success that any discussion on it seems futile," he added.

On August 23, India scripted history as Isro's ambitious third Moon mission Chandrayaan-3's Lander Module touched down on the lunar surface, making it only the fourth country to accomplish the feat, and first to reach the uncharted south pole of Earth's only natural satellite.

Modi said the mission will be a "source of inspiration for every effort that goes into taking this country forward in the coming days". "It will remind us that failure isn't the end of the world," he said, referring to the Chandrayaan-2 mission's unsuccessful bid to soft land on the Moon.

Speaking on the role of the women scientists, Modi said: "India's Chandrayaan-3 mission is a classic illustration of our women power...They handled vital responsibilities such as those of a project director and project manager."

Referring to his Independence Day speech, the PM said: "I told in Red Fort that women-led development should be established as a characteristic of the nation and Chandrayaan too is a prime example of that."

(With agency inputs)

Women have handled key roles in space programme, says PM

Modi hails the the successful launch of the Chandrayaan-3 mission: 'When everyone's efforts converged, success was also achieved'; he says India has made G-20 a more inclusive space and the voice of Africa has reached the platform

The Hindu Bureau
NEW DELHI

Prime Minister Narendra Modi hailed the launch of the Chandrayaan-3 mission in the 104th episode of his monthly radio broadcast, *Mann Ki Baat*, on Sunday, noting the involvement of women scientists and engineers in the country's space programme. The women "have handled many important responsibilities, from project director to project manager of different systems", Mr. Modi said.

"When everyone's efforts converged, success was also achieved," he said on the moon mission.

Prime Minister Narendra Modi meets women scientists of the ISRO team involved in Chandrayaan 3 mission in Bengaluru on Saturday. ANI

Prepared for G-20

India is "fully prepared" for the G-20 Leaders' Summit to be held in New Delhi next month, Mr. Modi said.

"India has made G-20 a more inclusive space. It was at India's invitation that the African Union was also able to participate, and that the voice of the people of Africa has reached this important platform."

Mr. Modi congratulated young athletes who bagged medals at the Chengdu 2021 FISU World University Games held in China – the games had been postponed to 2023 due to the COVID-19 pandemic, and only concluded this month.

India won 26 gold medals, a record for the country.

Mr. Modi said that in all previous editions of the event since 1959, India only won 18 medals combined.

Young heroes

Mr. Modi interacted with and congratulated Abhidnya Ashok Patil, 24, who won a gold medal at the women's 10m air pistol competition with Yashaswini Singh Deswal and Manu Bhaker; Pragati, 19, who won a gold medal with Aman Saini in the compound mixed team archery event; Amlan Borgohain, 25, who took bronze at the men's 200-metre event; and Priyanka, 27, who took bronze in the women's 20-kilometre walk event with Pooja Kumawat, Mansi Negi, and Nikita Lamba.

Hailing the success of the *Har Ghar Tiranga Abhiyaan*, he said as many as 1.5 crore flags were purchased from 1.5 lakh post offices. "Last year till August 15, about 5 crore countrymen had posted a selfie with the Tricolour," Mr. Modi said. "This year, this number has also crossed 10 crore."

Mr. Modi spoke of the *Amrit Kalash* Yatra, in which "there will be a campaign to collect soil from every house in every village of the country" in September and "the holy soil of the country will be deposited in thousands of *Amrit Kalash* urns" in October.

He also lauded the progress in Sanskrit learning, noting that much knowledge of yoga, Ayurveda and philosophy had been preserved in the language.

Many universities were offering Sanskrit programmes, he said, with two Sanskrit deemed universities being upgraded to Central universities in 2020.

Gems of Indian culture

The Prime Minister conveyed his wishes for Telugu Language Day on August 29. "Many priceless gems of Indian culture are hidden in the literature and heritage of the Telugu language," Mr. Modi said.

"Many efforts are also being made to ensure that the whole country gets the benefit of this heritage of Telugu."

Mr. Modi highlighted the efforts of K. Dhanapal, a retired Bangalore Metropolitan Transport Corporation bus driver who was transferred to Bengaluru Darshini, and took up an interest in studying ancient inscriptions with ties to the city; and speleologist Brian Dermot Kharpran Daly of Meghalaya, whose exploration of several caves earned him the Tenzing Norgay National Award for Adventure in 2004.

Success in dairy sector

Mr. Modi invoked the success of the dairy sector in reducing costs by relying on the Railways' truck-on-track facility, which he said halved the 30-hour transport duration for Banas Dairy in Gujarat.

"Due to this, whereas the pollution caused by fuel has stopped, the cost of fuel is also saved," he said. "Drivers of trucks have also benefited a lot from this, their life has become easier."

B’luru history buff in PM’s Mann Ki Baat

AKNISREE KARTHIK @ Bengaluru

A feature on retired Bengaluru Metropolitan Transport Corporation (BMTC) bus driver and history buff K Dhanapal caught the attention of Prime Minister Narendra Modi.

In the 104th episode of Mann Ki Baat, a popular radio programme hosted by Modi, he spoke about Dhanapal and appreciated his efforts in knowing and conserving history around.

Elated Dhanapal said the TNIE feature, published on August 6 with the headline -- 'Storyteller of Stones', caught the attention of many and he never imagined in his wild dreams that it would reach the Prime Minister and that he would get praised for his efforts.

"Though we travel to each and every corner of the world, we remain unaware of many places and things in our city or state. Many a time people do not know the historical places in their own city. Something similar happened with BMTC bus driver Dhanapal, seventeen years ago while working in its sightseeing wing, now popularly called 'Bengaluru Darshini'.

While taking tourists to different tourist places in Bengaluru, one tourist questioned Dhanapal as to why a tank is called 'Sankey Tank'. He felt bad as he didn't know the answer. Hence, he decided to focus on enhancing his own knowledge," Modi said in the Mann Ki Baat episode broadcast on Sunday.

"In his passion for knowledge about heritage, he found many stones and inscriptions. He was so engrossed in this work that he got a diploma in epigraphy. Although he has retired from BMTC, his passion to explore the history of Bengaluru is still alive," Modi said.

"I was literally on the moon listening to the episode where the PM was talking about my work. It is such appreciation and recognition that act as a motivating factor to explore more into history around us," said Dhanapal, who has dedicated his full time now to explore history around Bengaluru.

"Taking a cue from Dhanpal ji, I would urge others to do the same in their cities and towns", Modi exhorted his listeners.

MANN KI BAAT

PM: G20 meet to be biggest ever, will show India potential

Says Chandrayaan's success showed that suns of resolve rise on Moon too

BJP chief J P Nadda, Uttarakhand CM Pushkar Singh Dhami and party leader Dushyant Kumar Gautam listen to PM's Mann Ki Baat programme, in Haridwar on Sunday. PTI

HARIKISHAN SHARMA
NEW DELHI, AUGUST 27

CALLING IT a display of India's 'potential', Prime Minister Narendra Modi on Sunday said the G20 Summit in New Delhi next month will be the "biggest" in the grouping's history, with heads of 40 countries and many global organisations set to attend.

With India's recent Moon landing success adding to the "air of celebrations", citizens ...

... of the country," he said.

Calling India's G20 Presidency "the people's Presidency", he said, "In one way or the other, more than 1.5 crore people are associated with the events being organised across the country regarding this (G20)."

Sharing examples, he said the participation of "1,25,000 students from 800 schools in the G-20 Quiz held in Varanasi became a new world record". "I urge all countrymen to come together to make the G20 Summit ...

‘Invite to African Union made G20 more inclusive’

Rhik Kundu
rhik.kundu@livemint.com
NEW DELHI

India has made G20 a more inclusive forum during its presidency by inviting the African Union to join the group, thus providing a platform for the voice of Africans to reach the world, prime minister Narendra Modi said on Sunday.

Speaking during the 104th episode of Maan Ki Baat, his monthly radio talk, Modi termed the Indian presidency of the G20 as "people's presidency". He said that the country is fully prepared to host the G20 leaders' summit in September that will see 40 heads of states and government as well as several global organizations for the "biggest participation ever in the history of the G-20 Summit".

"Among the eleven engagement groups of G20, academia, civil society, youth, women, our parliamentarians, entrepreneurs and people associated with urban administration played an important role," Modi said.

"In one way or the other, more than 15 million people are associated with the events being organized across the country regarding this," he added.

Modi said India had moved away from holding big G20 events only in New Delhi and hosted several key events across other cities. "About 200 meetings related to this were organized in 60 cities across the country," Modi said.

"Wherever the G20 Delegates went, people warmly welcomed them. These delegates were very impressed, seeing the diversity of our country and our vibrant democracy. They also realized that there are so many possibilities in India," he added.

‘मन की बात कार्यक्रम में भारत को हर परिस्थिति में जीतने वाला बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

चंद्रयान-3 नए भारत की भावना का प्रतीक

Sanskrit has preserved India’s ancient knowledge: PM

New Delhi: Be it in the US, France or "Mann Ki Baat", Indian languages continue to be prioritised in Prime Minister Narendra Modi's speeches. In his 104th edition of Maan Ki Baat on Sunday, Modi dealt at length with the rich legacy of Sanskrit. A day earlier in his speech at Isro too he incorporated a Sanskrit shloka.

Speaking in Sanskrit and extending greetings on the occasion of World Sanskrit Day to be celebrated on the full moon day (August 30) of the Shravan month , the PM said, "My family members, this time I have received many letters in Sanskrit language. The reason for this is that World Sanskrit Day is celebrated on the full moon of the Shravan month of the Hindu calendar. Greetings to all of you on World Sanskrit Day. We all know that Sanskrit is one of the oldest languages in the world. It is also called the mother of many modern languages. Sanskrit is know for its antiquity as well as for its science and grammar. The Sanskrit language has preserved the ancient knowledge of India for thousands of years."

Modi hailed the new found interest in Sanskrit as he suggested people participate in the 10-day "Sanskrit conversation camp" by Sanskrit Bharat. TNN

मन की बात

पीएम ने कहा-जहां महिला शक्ति का सामर्थ्य जुड़ जाए, वहां असंभव भी संभव

अब अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रहीं भारत की बेटियां : मोदी

डाकघरों से डेढ़ करोड़ तिरंगे बेचे गए

मेरी माटी, मेरा देश अभियान जोरों पर

साझा की कविता

हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो जैसे धरती से जुड़े खेलों में पीछे नहीं रहना चाहिए

‘ಮನ್ ಕಿ ಬಾತ್’ ಬಾನುಲಿ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ • ಮಹಿಳೆಯರ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ– ಸಾಧನೆ ಕೊಂಡಾಡಿದ ಮೋದಿ

‘ಚಂದ್ರಯಾನ: ನವಭಾರತ ಚೈತನ್ಯದ ಸಂಕೇತ’

ಪ್ರಮುಖ ಅಂಶಗಳು

‘ಜಿ-20 ಶೃಂಗಕ್ಕೆ ಸನ್ನದ್ಧ’

ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಧನಪಾಲ್ ಉಲ್ಲೇಖ

ಮನದ ಮಾತು

‘हर घर तिरंगा’ में बना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि इस बार 15 अगस्त पर घर-घर तिरंगा अभियान में नया रिकॉर्ड बनाया है और पिछले साल की तुलना में दोगुना 10 करोड़ सेल्फीज सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई हुई है।

■ कहा, ‘मेरी माटी, मेरा देश’ भी होगा सफल

मोदी ने रविवार को अपने मासिक ‘मन की बात’ कार्यक्रम की 104वीं कड़ी के प्रसारण के दौरान कहा, ‘इस बार 15 अगस्त के दौरान देश ने ‘सबका प्रयास’ का सामर्थ्य देखा। सभी देशवासियों के प्रयास ने ‘हर घर तिरंगा अभियान’ को वास्तव में ‘हर मन तिरंगा अभियान’ बना दिया। अभियान के दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। देशवासियों ने करोड़ों की संख्या में तिरंगे खरीदे। डेढ़ लाख पोस्ट आफिस के जरिए करीब डेढ़ करोड़ तिरंगे बेचे गए। इससे हमारे कामगारों की, बुनकरों की, और खासकर महिलाओं की सैकड़ों करोड़ रुपए की आय भी हुई है। तिरंगे के साथ सेल्फीज पोस्ट करने में भी इस बार देशवासियों ने रिकॉर्ड बना दिया।

उन्होंने कहा कि पिछले साल 15 अगस्त तक करीब पांच करोड़ देशवासियों ने तिरंगे के साथ सेल्फीजपोड की थी। इस साल ये संख्या 10 करोड़ को भी पार कर गई है। प्रधानमंत्री ने कहा ‘इस समय देश में ‘मेरी माटी, मेरा देश’ देशभक्ति की भावना को उजागर करने वाला अभियान जोरों पर है। सितम्बर के महीने में देश के गांव-गांव में, हर घर से मिट्टी जमा करने का अभियान चलेगा। देश की पवित्र मिट्टी हजारों अमृत कलश में जमा की जाएगी। अक्टूबर के अंत में हजारों अमृत कलश यात्रा के साथ देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेंगे। इस मिट्टी से ही दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण होगा। मुझे विश्वास है, हर देशवासी का प्रयास, इस अभियान को भी सफल बनाएगा।

जी-20 के इतिहास में सबसे बड़ी भागीदारी दुनिया देखेगी भारत का सामर्थ्य : मोदी

पीएम ने मन की बात में कहा, हमारी अध्यक्षता में जनभागीदारी की भावना सबसे आगे

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सितंबर का महीना भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनने जा रहा है। अगले महीने होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत पूरी तरह से तैयार है। इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और कई वैश्विक संगठन दिल्ली आ रहे हैं। इस समूह के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी।

पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के जरिये देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं देशवासियों को कहूंगा, आइए, मिलकर जी-20 सम्मेलन को सफल बनाएं, देश का मान बढ़ाएं। जी-20 की हमारी अध्यक्षता जनता की अध्यक्षता है, जिसमें जनभागीदारी की भावना सबसे आगे है। हमने इसे और समावेशी मंच बनाया है। हमारे निमंत्रण पर अफ्रीकी संघ भी इससे जुड़ा और अफ्रीका के लोगों की आवाज दुनिया के इस अहम मंच तक पहुंची।

ग्रीन क्रेडिट के लिए तैयार कर रहे वैश्विक ढांचा

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को बी-20 शिखर सम्मेलन में क्रिप्टोकरेंसी के जोखिम पर चिंता जताते हुए इससे निपटने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत बताई। पीएम ने यह भी बताया कि भारत ने व्यापार के लिए ग्रीन क्रेडिट की एक संरचना तैयार की है, जो धरती से संबंधित सकारात्मक कार्यों पर केंद्रित है। - कार्यालय

जनभागीदारी के चलते दो विश्व रिकॉर्ड बने

पीएम मोदी ने कहा, जनभागीदारी की इस कोशिश में दो विश्व रिकॉर्ड बने हैं। वाराणसी में जी-20 प्रश्नोत्तरी में 800 स्कूलों के सवा लाख छात्र शामिल हुए। वहीं, 450 लंबानी कारीगरों ने 1800 यूनिक पैच का आश्चर्यजनक कलेक्शन बनाया। जी-20 के मेहमान हमारी कलात्मक विविधता से हैरान रह गए। सूरत में साड़ी वाकथॉन में 15 राज्यों की 15 हजार महिलाओं ने हिस्सा लिया। इससे लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा मिला। यही नहीं, श्रीनगर में जी-20 की बैठक के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

चंद्रयान-3...नए भारत की उस भावना का प्रतीक जो हर हाल में जीतना जानता है

पीएम मोदी ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता ने सावन माह के उत्सव के माहौल को कई गुना बढ़ा दिया है। ये सफलता इतनी बड़ी है कि इसकी जितनी तारीफ की जाए, कम है। भारत ने और चंद्रयान ने साबित कर दिया है कि संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं।

■ मिशन चंद्रयान नए भारत की उस भावना का प्रतीक बन गया है जो हर हाल में जीतना चाहता और जानता है।

मेहमान भारत से प्रभावित

पीएम ने कहा- दिल्ली में बड़े-बड़े कार्यक्रमों की परंपरा से हटकर हम जी-20 को देश के अलग-अलग शहरों में ले गए। 60 शहरों में जी-20 से जुड़ी करीब 200 बैठकों का आयोजन किया गया। सभी जगह जनता ने इन देशों के प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मेहमानों को अहसास हुआ कि भारत में अपार संभावनाएं हैं।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी खेलों में भारत ने परचम लहराया : मोदी

नई दिल्ली। भारत ने इस बार चीन में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में शानदार खेल दिखाया था और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 26 पदक जीते थे. इनमें से भारत के हिस्से 11 गोल्ड, पांच सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज मेडल आए थे. इससे पहले भारत ने इन खेलों में इतने पदक नहीं जीते थे. भारत की इस ऐतिहासिक सफलता के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इन खेलों में पदक जीतने वाले कुछ खिलाड़ियों से बात की और उनके सफर के बारे में जाना. प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम मन की बात में आर्चरी में मेडल जीतने वाली प्रगति,एथलेटिक्स में मेडल जीतने वाले असम के अम्लान, रेस वॉक में मेडल जीतने वाली प्रियंका और शूटिंग में मेडल अपने नाम करने वाली अभिदन्या से बात की.

भारत ने इससे पहले 1959 से लेकर से लेकर 2022 तक इन खेलों में हिस्सा लेने वाले देश के हर खिलाड़ी को बधाई दी.

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में कुल 18 पदक ही अपने नाम किए थे लेकिन इस बार देश के खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया और शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में पदकों की बरसात कर दी. प्रधानमंत्री ने फोन पर इन लोगों से बात की. अपनी बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने

वो पल नहीं भूल सकती

मोदी ने आर्चरी में पदक जीतने वाली प्रगति से बात की और उनकी जीत के बाद वह क्या महसूस कर रही हैं इस बारे में पूछा.इस पर प्रगति ने कहा कि वह अपने देश का झंडा ऊंचा लहरा कर काफी गर्व महसूस कर रही हैं. उन्होंने कहा कि वह एक बार गोल्ड से चूक गई थीं लेकिन इस बार उन्होंने ठान लिया था कि इससे कम कुछ भी नहीं. प्रगति ने कहा कि जब वह मेडल जीत पोडियम पर पहुंची तो उन्हें काफी गर्व हो रहा था और वह इसे कभी भूल नहीं सकतीं. प्रगति ने मिक्स्ड टीम इवेंट में अमन सैनी के साथ मिलकर गोल्ड जीता और इसके अलावा उन्होंने विमेंस टीम कम्पाउंड इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया.

प्रगति को 2020 में ब्रेन हैमरेज की दिक्कत हो गई थी. इस जांबाज लड़की ने बीमारी से लड़ाई लड़ी और अब वापसी कर देश का नाम रौशन किया. मोदी ने इस बारे में भी प्रगति से पूछा तो उन्होंने बताया कि वह वेंटिलेटर पर थीं और उनको पता नहीं था कि वह बचेंगी या नहीं. उन्होंने कहा कि उनको अंदर से हिम्मत थी और इसी कारण वह वापसी करने में सफल रहीं.

बदल गया वक्त

बातचीत के आखिर में मोदी ने खिलाड़ियों से कहा कि वह अगर कुछ उनसे पूछना चाहते हैं तो पूछ सकते हैं. इस पर अम्लान ने उनके पसंदीदा खेल के बारे में पूछा जिस पर मोदी ने कहा कि देश को खेलों की दुनिया में और आगे बढ़ना चाहिए और इसलिए वह इन्हें और बढ़ावा दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो जमीन से जुड़े खेल हैं.

उन्होंने कहा कि आजकल के खिलाड़ी जो सफलता हासिल कर रहे हैं उससे कई लोगों को मोटिवेशन मिल रहा है. उन्होंने कहा कि पहले बच्चे को खेलने से रोका जाता था लेकिन अब माहौल बदला है और परिवार भी अपने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं.

तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने का बना रिकॉर्ड

इस बार 15 अगस्त के दौरान देश ने सबका प्रयास का सामर्थ्य देखा. पीएम मोदी ने बताया कि सभी देशवासियों के प्रयास ने हर घर तिरंगा अभियान को वास्तव में हर मन तिरंगा अभियान बना दिया। तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने में भी इस बार देशवासियों ने नया रिकॉर्ड बना दिया। डेढ़ लाख पोस्ट ऑफिसों के जरिए करीब डेढ़ करोड़ तिरंगे बेचे गए। इससे हमारे कामगारों की, बुनकरों की, और खासकर महिलाओं की सैकड़ों करोड़ रुपये की आय भी हुई है। तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने में भी इस बार देशवासियों ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पिछले साल 15 अगस्त तक करीब 5 करोड़ देशवासियों ने तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट की थीं, लेकिन इस साल ये संख्या 10 करोड़ को भी पार कर गई है।

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता नए भारत के जज्बे का प्रतीक

मन की बात

मान बढ़ाने के लिए जी-20 सम्मेलन सफल बनाएं

हर घर तिरंगा बन गया हर मन तिरंगा अभियान

हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, जैसे खेलों में पीछे न रहें

रक्षाबंधन पर स्थानीय उत्पादों को महत्व दें

భారత్‌కు మరో మాతృభాష తెలుగు

తెలుగు భాషా దినోత్సవం ఆగస్టు 29

मातीतील खेळामध्ये भारत पुढे हवा

पंतप्रधान मोदींची 'मन की बात'

माझ्या आयुष्यातील सर्वात संस्मरणीय क्षण

अभिज्ञा पाटीलशी मोदींचा संवाद

चांद पर भी उगते हैं संकल्प के सूरज : मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी लिखी कविता 'अभी तो सूरज उगा है' सुनाते हुए आज कहा कि 23 अगस्त को भारत ने और भारत के चंद्रयान ने यह साबित कर दिया कि संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं.

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 104वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने कहा, चंद्रयान मिशन नए भारत की उस भावना का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना भी जानता है. इस पूरे मिशन से कई महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर जुड़े रहे. इन्होंने परियोजना निदेशक, परियोजना प्रबंधन जैसी कई जिम्मेदारियां संभालीं. भारत की बेटियां अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं.

जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाएं

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में 'जनभावना की भागीदारी' की भावना को सबसे आगे बताते हुए देशवासियों से देश का मान बढ़ाने के लिए इसे सफल बनाने का आह्वान किया.

दिल्ली में नौ और 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है. मोदी ने कहा कि इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिए 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और अनेक वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधि दिल्ली आ रहे हैं, जो इस शिखर सम्मेलन के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी.

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा

- जी-20 शिखर सम्मेलन 'पीपुल्स प्रेसिडेंसी' है. इसमें जनभागीदारी की भावना सबसे आगे है.
- वाराणसी में हुए जी-20 क्विज में 800 स्कूलों के 1.25 लाख छात्रों ने भाग लिया, 450 बंधानी कारीगरों के संग्रहों और सूरत में आयोजित साड़ी 'वॉकेथॉन' का आयोजन हुआ जो एक रिकॉर्ड है.
- भारत के निमंत्रण पर ही अफ्रीकी संघ भी जी-20 से जुड़ा और अफ्रीका के लोगों की आवाज दुनिया के अहम मंच तक पहुंची.
- 'हर घर तिरंगा अभियान' वास्तव में 'हर मन तिरंगा अभियान' बना.
- इस बार तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने वालों की संख्या पिछले साल के 5 करोड़ के मुकाबले 10 करोड़ को भी पार कर गई.
- हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो जैसे धरती से जुड़े खेलों में भारत को कभी पीछे नहीं रहना चाहिए.

मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री ने साझा की स्वरचित कविता

मन की बात में चंद्रयान मिशन की सफलता पर दी बधाई

'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के तहत सावन महीने की 'पूर्णिमा' के दिन 'विश्व संस्कृत दिवस' मनाएं

ଚନ୍ଦ୍ରଯାନ-୩ ନବଭାରତର ପରିଚୟ ପାଲଟିଛି

'ମନ୍ କୀ ବାତ୍'

ତିରଙ୍ଗା ସହ ସେଲ୍‌ଫି ପୋଷ୍ଟ କରିବାରେ ରେକର୍ଡ

తెలుగు భాషా దినోత్సవ శుభాకాంక్షలు

"అందరికీ తెలుగు భాషా దినోత్సవ శుభాకాంక్షలు" ..అంటూ ప్రధాని మోదీ ప్రపంచవ్యాప్తంగా ఉన్న తెలుగు ప్రజలందరికీ తెలుగులో శుభాకాంక్షలు తెలిపారు. 'మన్ కీ బాత్' కార్యక్రమంలో భాగంగా.. ఆగస్టు 31న నిర్వహించనున్న ప్రపంచ సంస్కృత దినోత్సవం గురించి తొలుత ప్రస్తావించిన మోదీ, ఆగస్టు 29న నిర్వహించే తెలుగు భాషా దినోత్సవం గురించి కూడా మాట్లాడారు. సంస్కృతం లాగానే.. మనకున్న ప్రాచీన వారసత్వ సంపదల్లో తెలుగు భాష కూడా ఒకటని కొనియాడారు. భారతీయ సంస్కృతికి సంబంధించి వెలకట్టలేని రత్నాలు తెలుగు సాహిత్యంలో దాగి ఉన్నాయని.. తెలుగు భాష వారసత్వాన్ని యావద్దేశానికీ అందించే ప్రయత్నం చేస్తామని పేర్కొన్నారు.

समंदर को देखे बिना नहीं चलता विशालता का पता: मोदी

प्रधानमंत्री ने देश की सुंदरता और विविधता देखने के लिये लोगों से किया आह्वान

मन की बात

भारतामुळे 'जी-20' परिषद सर्वसमावेशक

पंतप्रधान मोदी : 'मन की बात'मध्ये चांद्रयान मोहिमेबद्दली कौतुकोद्गार; विविध विषयांवर भाष्य

खेल के मैदान में निरंतर सफलता हासिल कर रहे हैं भारतीय युवा : मोदी

विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के पदक विजेताओं से पीएम ने की फोन पर बात

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खेल-कूद ऐसा क्षेत्र है, जहां हमारे युवा निरंतर सफलता हासिल कर रहे हैं। चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में इस बार भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने मासिक मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने चीन में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स का उदाहरण दिया। पीएम ने कहा, इन खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 11 गोल्ड जीते। 1959 से लेकर 2019 तक जितने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए, उनमें जीते सभी पदकों को जोड़ दें तो भी संख्या 18 तक ही पहुंचती है, जबकि इस बार हमारे खिलाड़ियों ने 11 स्वर्ण समेत 26 पदक जीते। पीएम मोदी ने यूपी की रहने वाली प्रगति(तीरंदाजी) और प्रियंका(पैदल चाल), असम के अमलान(एथलेटिक्स) और महाराष्ट्र की अभिदन्या(निशानेबाजी) से फोन पर बात की।

26 पदक जीते भारतीय टीम ने इस बार विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में जबकि 1959 से 2019 तक कुल मिलाकर 18 ही जीत पाए थे

- पीएम मोदी : हमारे साथ अमलान भी हैं। अमलान, एथलेटिक्स के प्रति इतनी रुचि कैसे विकसित हुई?

अमलान : सर, एथलेटिक्स के प्रति पहले उतनी रुचि नहीं थी।

- पीएम : अभिदन्या, अपने खेल के बारे में बताइए।

- पीएम : आप चारों मुझसे कुछ कहना चाहते हों।

अमलान : सर, सबसे अच्छा खेल कौन सा लगता है?

കറവമാടുകൾക്ക് ആയുർവേദ ചികിത്സ; മൻ കീ ബാത്തിലൂടെ നാടറിഞ്ഞു

'മൻ കി ബാത്ത്-104' സംചികെയല്ലി പ്രസ്താപിസിദ പ്രധാനി മോദി

ಧನಪಾಲ್‌ರ ಇತಿಹಾಸ ಆಸಕ್ತಿಗೆ ಮೆಚ್ಚುಗೆ

مشن چندریان نئے ہندوستان کی علامت بن گیا ہے

پی ایم مودی نے 'من کی بات' میں چندریان ۔3 کی ستائش کی

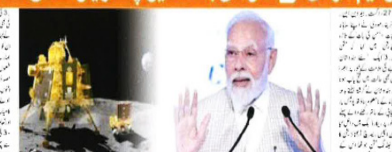

THE TIMES OF INDIA

PM Modi hails Indian athletes' performance at World University Games in Mann Ki Baat

Hindustan Times

Mann ki Baat: Meet Meghalaya's Brian D Kharpran who found special mention on PM Modi's show

Outlook

Chandrayaan-3 Living Example Of Women Power: PM Modi

NEWS18

India's G20 Presidency Made it More Inclusive Forum: PM Modi

ZEE BUSINESS

August 29 to be celebrated as Telugu Language Day: PM Modi

आज तक

'भारत का मिशन मून नारी शक्ति का उदाहरण', मन की बात में बोले पीएम

abp न्यूज़

Mann Ki Baat: मेघालय में जिसने खोजीं गुफाएं, पीएम मोदी ने 'मन की बात' में उसकी जमकर तारीफ की, मिशन जी-20 पर भी बोले

नवभारत

Mann Ki Baat | चंद्रयान-3 की सफलता ने साबित किया संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं: पीएम मोदी

दैनिक जागरण

'जी20 की अध्यक्षता जनता की अध्यक्षता', मन की बात में बोले PM मोदी- 29 अगस्त को मनाया जाएगा तेलुगु भाषा दिवस

मन की बात

के सभी संस्करणों को पढ़ने के लिए
QR कोड को स्कैन करें।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार